हिन्दी दैनिक

RNI : CTHIN/25/A1911

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 37 ● भिलाई, शुक्रवार 08 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

मिसाइल ड्रोन और ब्रह्मोस तीनों सेनाओं को मिलेंगे घातकहथियार

नई दिल्ली। रक्षा खरीद परिषद ने तीनों सेनाओं की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए लगभग 67,000 करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी दे दी। इस स्वीकृति के तहत सेना की रात्रिकालीन इन्फैंट्री क्षमताओं में वृद्धि के लिए थर्मल इमेजर, नौसेना के लिए ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लांचर तथा बराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम के उन्नयन की योजना शामिल है। सीमावर्ती पहाड़ी इलाकों में वायुसेना की वायु रक्षा क्षमता को सशक्त बनाने के लिए पर्वतीय रडारों की खरीद को भी मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, युद्ध की बदलती जरूरतों को देखते हुए तीनों सेनाओं के लिए मध्यम ऊंचाई वाले लंबी दूरी के रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट की खरीद भी स्वीकृत की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीएसी ने 67,000 करोड़ रुपये के विभिन्न रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी।

ओ मैडम, मैडम जी सुन लीजिए..., विपक्ष में रहने की मेरे से ट्यूशन ले लो, संसद में इस बात पर लाल हुए जेपी नड्डा

नई दिल्ली। राज्यसभा में आज उस समय हंगामा मच गया जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन के भीतर सीआईएसएफ जवानों को बुलाए जाने का दावा किया। फिर जेपी नड्डा ने जवाब देते हुए विपक्ष के सदस्यों को सख्त लहजे में कहा कि आपको विपक्ष की भूमिका निभानी नहीं आती, तो मुझसे ट्यूशन ले लो। नड्डा ने कहा कि अभी तो आपको 30-40 साल और विपक्ष में रहना है।नड्डा ने कहा कि उपसभापति ने ये बताया कि जब कोई स्पीकर बोल रहा है, अब मैं यहां बोल रहा हूं (अपना उदाहरण देते हुए) और कोई मेरे बगल में खड़ा होकर नारा लगाएगा तो यह लोकतंत्र नहीं है। ये काम करने का तरीका नहीं होता। इस पर भी विपक्ष के सदस्य नहीं माने। वे शोर करते जा रहे थे। नड्डा ने हाथ के इशारे से एक महिला सदस्य को संबोधित करते हुए कहा कि ओ मैडम, मैडम जी सुन लीजिएज मैंने इन लोगों को कई बार कहा है कि 40 साल से ज्यादा विपक्ष में रहा हूं।

शिमला के रोहडू में पब्बर नदी में गिरी कार, 3 युवकों की मौत, एक घायल

शिमला। शिमला जिले के रोहडू उपमंडल में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब चारों युवक एक कार में सवार होकर लोकल लैला मेले से लौट रहे थे। कार अनियंत्रित होकर पब्बर नदी में जा गिरी। हादसे में विशाल ठाकुर (गांव मुंचहरा), अभय खंडियान (ग्राम डाकगांव), और हिमांशु (ग्राम मुंचहरा) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हर्ष चौहान (ग्राम डोगरी मुंचहारा) कार से छिटककर बाहर गिर गया और उसे हल्की चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार हादसा रात लगभग 12 बजे के आसपास हुआ।

पीएम मोदी का ट्रंप को करारा जवाब

कोई भी कीमत चुकाने को तैयार लेकिन नहीं झुकेंगे.....पीएम मोदी

नई दिल्ली/संवाददाता

इस समय डोनाल्ड ट्रंप और उनके द्वारा लगाया गया टैरिफ भारत ही नहीं बल्कि पूरे दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है. ऐसे में अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ में किसान और कृषि उत्पाद एक बड़ा मुद्दा हैं. जिसको लेकर देश के प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया है कि भारत कृषि उत्पादों और किसानों के मुद्दे पर किसी के आगे नहीं झुकेगा, चाहे वो अमेरिका का राष्ट्रपति ही क्यों न हो. एमएस स्वामीनाथन जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होकर पीएम मोदी ने पूरी दुनिया को ये सीधा संदेश दिया है. पीएम मोदी ने कहा कि हमारे किसानों का हित हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है. भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा. किसानों की आय बढ़ाना, खेती पर खर्च कम करना, आय के नए स्रोत बनाना, हम इन लक्ष्यों पर लगातार काम कर रहे हैं. हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है. डॉ. स्वामीनाथन से प्रेरणा लेकर, अब देश के वैज्ञानिकों के पास एक बार फिर इतिहास रचने का मौका है. पिछली पीढ़ी के वैज्ञानिकों ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की थी. अब पोषण सुरक्षा पर ध्यान देने की ज़रूरत है. 7 अगस्त को भारत हरित क्रांति के मसीहा एमएस स्वामीनाथन की 100वीं वर्षगांठ को मना रहा है. इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों को एक बड़ा संदेश दिया. पीएम मोदी ने अमेरिका के साथ जारी टैरिफ वॉर के बीच ही यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार की प्राथमिकता किसानों का हित है और यह सर्वोच्च है. पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है. इसलिए बीते कुछ वर्षों में जो नीतियां बनीं उनमें सिर्फ मदद नहीं थी बल्कि वो किसानों के बीच भरोसा बढ़ाने का भी एक प्रयास था.' पीएम मोदी ने इसके साथ ही देश के वैज्ञानिकों से कहा है कि उनके पास एक बार फिर से इतिहास रचने का मौका है. पीएम मोदी के अनुसार पिछली पीढ़ी के वैज्ञानिकों ने फूड सिक्योरिटी को सुनिश्चित किया था. अब वैज्ञानिकों पर नेशनल सिक्योरिटी यानी राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान देने का समय है. पीएम मोदी ने कहा कि सरकार लगातार इस दिशा में काम कर रही है।

अमेरिका ने भारत पर लगाया 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स, शशि थरूर बोले- ये दोहरा मापदंड है; हमें सीख लेनी चाहिए

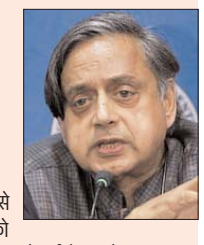

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आने वाले सामान पर 25ल अतरिक्त टैक्स लगा दिए है। यह टैक्स भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाया गया है। इस फैसले के बाद भारत से अमेरिकी बाजार में जाने वाले सामान पर कुल 50ल टैक्स लगने लगेगा। ऐसे में भारत में इस बात को लेकर भी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मामले में कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अमेरिका के इस कदम को अनुचित और दोहरे मापदंड वाला बताया। साथ ही कहा कि अमेरिका खुद रूस से कई चीजें मंगा रहा है, लेकिन भारत को निशाना बना रहा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि अमेरिका ने चीन को 90 दिन की छूट दी है, जबकि वह हमसे कहीं ज्यादा रूसी तेल खरीदता है। उन्होंने कहा कि यह दोस्ती का संकेत नहीं है। अमेरिका से हमें ऐसी उम्मीद नहीं थी।

टैरिफ को दोगुना कर पर बोले खरगे

केंद्र सरकार की विदेश नीति की बड़ी विफलता-मल्लिकार्जुन

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आने वाले सामान पर 25 प्रतिशत अतरिक्त टैक्स लगा दिए है। यह टैक्स भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर लगाया गया है। इस फैसले के बाद भारत से अमेरिकी बाजार में जाने वाले सामान पर कुल 50 प्रतिशत टैक्स लगने लगेगा। ऐसे में भारत में इस बात को लेकर भी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी सिलसिले में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के फैसले को केंद्र सरकार की विदेश नीति की बड़ी विफलता बताया। खरगे ने कहा कि ट्रंप का यह कदम ऐसे समय में आया है जब भारत की कूटनीति कमजोर और भ्रमित नजर आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संकट से निपटने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं और अब ट्रंप भारत पर दबाव बना रहे हैं। बता दें कि ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीद जारी रखने को लेकर नाराजगी जताते हुए भारत से आने वाले कई उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया। पहले से ही 25 प्रतिशत टैरिफ लागू था, जिससे अब कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह आदेश 7 अगस्त से लागू हो गया है। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि आप अमेरिका से व्यापार समझौता नहीं कर पाए। आपके मंत्री महीनों से बातचीत की बात कर रहे थे, कुछ तो वॉशिंगटन में डेरा डाले बैठे थे। इसके बावजूद कुछ नहीं हुआ और अब यह बड़ा झटका आया है, लेकिन आप चुप हैं।

जली नकदी मामले में

अदालत में जस्टिस यशवंत वर्मा की अपील खारिज

नई दिल्ली। एजेंसी

जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। जली हुई नकदी बरामद होने के मामले में जांच प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए शीर्ष अदालत की पीठ जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह ने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का आचरण विश्वास पैदा नहीं करता, इसलिए उनकी याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। इस अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने ये भी माना कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जो पत्र भेजा, वह असंवैधानिक नहीं था। मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच पैनल की उस रिपोर्ट को अमान्य ठहराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में दोषी पाया गया था। जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि जांच समिति की रिपोर्ट और उसे राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को भेजना असंवैधानिक है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को ठुकरा दिया। बता दें कि ये पूरा मामला उस समय सामने आया जब न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से नकद राशि मिलने की बात सामने आई थी।

जांच प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुसार हुई

मामले में कोर्ट ने कहा कि कि इन-हाउस जांच प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुसार हुई। समिति की रिपोर्ट को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजना संविधान के खिलाफ नहीं है। पीठ ने ये भी कहा कि मुख्य न्यायाधीश सिर्फ नाम का पद नहीं होता, उनके पास देश और न्यायपालिका के लिए जिम्मेदारियां होती हैं। वे केवल एक पोस्ट ऑफिस की तरह काम नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में दो टूक कहा कि जस्टिस वर्मा का व्यवहार न्यायपालिका की गरिमा के अनुरूप नहीं है और उनके खिलाफकी गई जांच।

पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस तनखैया घोषित

अमृतसर। पांच सिंह साहिबान ने शहीदी समारोह में भांगड़ा मामले में कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस को वेतनभोगी घोषित किया है। जत्थेदार ने उन्हें धार्मिक दंड की सजा सुनाई है। पंजाब सरकार द्वारा श्रीनगर में आयोजित 350वें शताब्दी समारोह के दौरान श्री अकाल तख्त साहिब की प्राचीर से पंज सिंह साहिब द्वारा नृत्य-गीत और मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत करके सिख नैतिकता के घोर उल्लंघन का आरोप स्वीकार करने के बाद, कैबिनेट मंत्री पंजाब हरजोत सिंह बैंस को श्री गुरु तेग बहादुर जी के जन्मस्थान गुरुद्वारा गुरु के महल तक पैदल जाने।

जम्मू-कश्मीर : उधमपुर में बड़ा हादसा...

सीआरपीएफ जवानों से भरी बस 200 फीट गहरी खाई में गिरी,दो बलिदान,16 घायल...

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बड़ा हादसा हुआ है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से भरी बस खाई में गिर गई। हादसे में दो जवान बलिदान हो गए हैं। कई जवान घायल हो गए। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 187वीं बटालियन की बस उधमपुर जिले में कदवा से बसंत गढ़ जाते समय करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में तीन जवान बलिदान हो गए। जबकि 15 जवान घायल हो गए। बस में 18 जवान सवार थे, आज सुबह लगभग 10:30 बजे यह हादसा हुआ। बस जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में कदवा से बसंत गढ़ जा रही थी। इसी दौरान बस खाई में गिर गई। सभी घायलों को एयरलिफ्ट कर ऊधमपुर के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने ट्वीट किया कि उधमपुर में कंदवा-बसंतगढ़ क्षेत्र

में सीआरपीएफ का एक वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। इस हादसे में कुछ जवानों के बलिदान की खबर सुनकर व्यथित हूं। वाहन में सीआरपीएफ के कई बहादुर जवान सवार थे। मैंने अभी-अभी डीसी सलोनी राय से बात की है, जो व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रही हैं और मुझे जानकारी दे रही हैं। बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिए गए हैं। स्थानीय लोग स्वेच्छा से सहायता के लिए आगे आए हैं। हर संभव मदद सुनिश्चित की जा रही है। बसंतगढ़ के कदवा इलाके में सीआरपीएफ की एक बंकर गाड़ी गहरी खाई में गिर गई, जिससे दो जवान बलिदान हो गए और करीब 16 जवान घायल हुए हैं।

लगातार बारिश के बाद आईटीबीपी के जवान किन्नर कैलाश यात्रा मार्ग पर बचाव अभियान चला रहे हैं।

व्यक्तिगत कीमत चुकाने वाले बयान पर वार

उनके सारे झूठ उजागर हो रहे हैं-उद्धव ठाकरे

नई दिल्ली। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर किसानों को लेकर दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दो से तीन साल तक जो किसान दिल्ली आना चाहते थे, उन्हें रोका गया। कुछ गरीब किसान मर गए। तब सरकार को उनकी याद नहीं आई। अब जब चुनाव नजदीक हैं, तो किसान फिर से याद आने लगे हैं। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि जब उनके पिता

बालासाहेब ठाकरे भूख हड़ताल पर थे, तो उन्हें दिल्ली नहीं आने दिया गया। उन पर बंदूकें चलाई गईं, दीवारें खड़ी की गईं और उन्हें नक्सली कहा गया।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर राहुल गांधी हमलावर

आयोग के साथ मिलकर सत्ताधारी दल कर रहा आपराधिक धोखाधड़ी

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर करारा हमला बोला है। उन्होंने विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि- महाराष्ट्र में 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए हैं। राहुल गांधी का आरोप है लोकसभा चुनाव 2024 और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के बीच इन मतदाताओं को जोड़ा गया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बीते कुछ समय से चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने महाराष्ट्र, कर्नाटक और कुछ अन्य जगहों की मतदाता सूची के आधार पर चौंकाने वाले दावे किए हैं। मतदाता सूची में जोड़े गए हजारों-लाखों नाम का उल्लेख करते हुए राहुल ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन न करते हुए वोट की चोरी की जा रही है। उन्होंने कई आंकड़ों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि आयोग की विश्वसनीयता संदेह के घेरे में है। राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की तरफ से जुटाए गए सबूतों का जिक्र करते हुए कहा कि वोटों की चोरी भाजपा के लिए की जा रही है। मतदाता सूची के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि आयोग इस मुद्दे पर जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में चंद महीने में लाखों मतदाताओं के नाम सूची में

जोड़े गए, जो काफी चिंताजनक है। राहुल का कहना है कि, शाम पांच बजे के बाद वोटर टर्नआउट का बढ़ना भी हैरान करने वाला है। नवंबर 2024 में कराए गए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद हमारे संदेह की पुष्टि हुई कि विधानसभा चुनाव में 'धांधली' हुई... मशीन में पढ़ी जा सकने वाली मतदाता सूची नहीं मुहैया कराए जाने से हमें यकीन हो गया कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में चुनाव में 'धांधली' के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत की है। राहुल गांधी ने कहा, 'महाराष्ट्र में, 5 महीनों में 5 साल से ज्यादा मतदाताओं के जुड़ने से हमारा संदेह बढ़ा और फिर शाम 5 बजे के बाद मतदान में भारी उछाल आया... लोकसभा में हमारा गठबंधन पूरी तरह से साफ हो गया। यह बेहद संदिग्ध है। हमने पाया कि लोकसभा और विधानसभा के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़ गए। हम चुनाव आयोग गए और यह लेख लिखा और हमारे तर्क का सार यह था कि महाराष्ट्र चुनाव चुराया गया था।

बालोद जिले में सड़क सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित करने प्रशासनिक अधिकारी हुए मुस्तैद

पेट्रोल पंपों में दोपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करने की दी जा रही है समझाइश

बालोद। ज़िले की संवेदनशील कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम सुनिश्चित कर सड़क सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित करने हेतु जिले के प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैद होकर इस कार्य का स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं। कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार बुधवार को एसडीएम एवं पुलिस अधिकारी अन्य अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा पेट्रोल पंपों में पहुँचकर दुपहिया वाहन चालकों को वाहन चलाते वक्त अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करने की समझाईश दी गई। इसके अलावा पेट्रोल पंप संचालकों को बिना हेलमेट पहने पेट्रोल पंप में पेट्रोल एवं डीजल खरीदी हेतु आने वाले दुपहिया वाहन चालकों को किसी भी हालत में पेट्रोल नही देने के निर्देश दिए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के द्वारा इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पहली बार ऐसा देखा जा रहा है कि इसकी स्वयं मॉनिटरिंग कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा कर रही है। जिले में हो रहे लगातार सड़क हादसे और खासतौर पर उसमें हो रही मौतों को लेकर बालोद जिले की अब तक की सबसे संवेदनशील कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कमर कस ली है और सड़क हादसों को रोकने के प्रयास में लेकर उनकी लगातार भागीदारी प्रदेश में चर्चा का विषय बनी हुई है। जिस तरह इन्होंने बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं देने को लेकर अभियान छेड़ा है, यह जनमानस में चर्चा का विषय है और लोग इनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। आज इस अभियान का परिणाम यह है कि लोग खुद कलेक्टर के इस अभियान से जुड़ रहे हैं और हेलमेट पहनकर और अपने बच्चों व परिजनों को हेलमेट पहन कर दुपहिया वाहन चलाने की बात कह रहे हैं।

हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाएं

इसी कड़ी में बुधवार को एसडीएम गुरूर आरके सोनकर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस तथा अन्य अधिकारियों के द्वारा विकासखण्ड मुख्यालय गुरूर स्थित अर्जुन फिलिंग प्वाईट गुरूर, विनायक फ्यूल्स बोहारडीह, कुशाल फ्यूल्स बोहारडीह, नानकानी फ्यूल्स पुरूर एवं निर्मल फ्यूल्स चिटौद का निरीक्षण कर वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने सड़क दुर्घटना के कारण पीड़ित व्यक्ति एवं उनके परिवार को होने वाली क्षति के संबंध में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि मनुष्य का जीवन अनमोल एवं बेशकीमती है। इसलिए छोटी सी लापरवाही से अपने इस बेशकीमती जीवन का क्षति नही होने देना चाहिए। इस अवसर पर अधिकारियों ने दुपहिया वाहन चालकों को वाहन चलाते वक्त अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करने एवं नियंत्रित गति में वाहन चलाने के अलावा यातायात नियमों का भी अनिवार्य रूप से पालन करने की समझाईश दी गई।

निर्धारित स्थान पर ही सामान रखने दुकानदारों को दी गई समझाइश

इसके अलावा दल्लीराजहरा शहर में नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू, एसडीएम सुरेश साहू एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा सड़क दुर्घटना की रोकथाम सुनिश्चित करने तथा यातायात व्यवस्था को सुगमता एवं सुचारू रूप से संचालित करने हेतु नगर के प्रमुख मार्गों एवं चौक-चौराहों का जायजा लिया गया। इस दौरान एसडीएम के निर्देश पर सड़क के किनारे अपने दुकाने के आगे बढ़ाकर दुकान लगाने वाले दुकानदारों के विरूद्ध अर्थदण्ड वसूली की कार्रवाई की गई। इसके अलावा इन दुकानदारों को केवल अपने दुकान के अंदर एवं निर्धारित स्थान पर ही समान रखने की समझाईश दी गई। इस दौरान अधिकारियों के द्वारा सड़क के किनारे अनाधिकृत रूप से खड़ी वाहनों पर जुर्माना की कार्रवाई कर उन्हें भविष्य में सड़क के किनारे वाहन खड़ी नही करने की समझाईश भी दी गई। इसके साथ ही आज सड़कों में विचरण करने वाले घुमंतू मवेशियों की धर-पकड़ की कार्रवाई भी की गई। पकड़े गए इन मवेशियों को गोठान में रखकर पशु मालिकों से अर्थदण्ड की वसूली की कार्रवाई की जा रही है। ज्ञातव्य हो कि कलेक्टर श्रीमती मिश्रा के द्वारा इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बरतने तथा लापरवाही बरतने वालों की विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चित्रा वर्मा, थाना प्रभारी रवि पाण्डेय एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

शिक्षा से ही होता है व्यक्तित्व विकास : ललित चंद्राकर

शासकीय महाविद्यालय उतई व रिसाली में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

उतई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई एवं शासकीय नवीन महाविद्याल रिसाली में आयोजित दीक्षारंभ समारोह एवं इंडक्शन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। उन्होंने मां सरस्वती की विधिवत् पूजा अर्चना कर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का पुष्पहार एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। छात्र जीवन की इस नई यात्रा पर समस्त विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामनाएँ प्रेषित किया। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि कड़ी मेहनत करते रहे और अपने सपने को साकार करे कॉलेज का समय जीवन का एक महत्वपूर्व मोड होता है जहाँ छात्रों के न केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना होता है बल्कि अपने भविष्य के लिए भी योजना बनानी होती हैं यह नया अध्याय आपके लिए खुशियां विकास और अद्भुत अनुभव लेकर आए सकारात्म सोच के साथ आगे बढ़े और कभी हार न माने आप जो चाहते हो उसे पाने की क्षमता आपने है हर दिन कुछ नया सीखने का अवसर होता है हमेशा कुछ न कुछ नया सीखने की कोशिश करे और अपने ज्ञान को बढ़ाए। आगे श्री चंद्राकर ने कहा भविष्य उनका है जो अपने सपनों की खूबसूरती में विश्वास करते हैं शिक्षा सबसे शक्ति शाली हथियार है जिसका इस्तेमाल कर आप अपने मुकाम हासिल कर सकते हैं .इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजेश पांडे (क्षेत्रीय अपर संचालक), डॉ. अनुपमा अस्थाना (प्राचार्य), पार्षद विधि यादव, राजू राकेश जंघेल, अनुपम साहू, उतई नपं अध्यक्ष सरस्वती नरेंद्र साहू, उतई भाजपा मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, पार्षदगण सोनू राजपूत, लक्ष्मीनारायण साहू, खुबीलाल साहू, सुनीता चंद्राकर, लता सोनवानी, विजय लक्ष्मी साहू, नीलम गड़े, विमला कॉमडे, चंदू देवांगन, प्रवीण यदु, रूपेश पारख, कांतिलाल साहू, फ्लेंद्र सिंह राजपूत, सुनीता वर्मा, सुश्री ममता चंद्राकर, दानेश्वरी देशमुख, सोहन रिगरी, धनश्याम चंद्राकर, शशिकांत वर्मा, सुमरन साहू, दीपक विश्वकर्मा, राकेश वर्मा, वैभव देवांगन, राहुल यादव, करण सेन, हरिश यादव, लाकेश देवांगन, केशव महिपाल, राजेंद्र ध्रुव, शुभ शर्मा, पी बसंतकला, डॉ शीमा अग्रवाल, डॉ ए के श्रीवास्तव, डॉ शियाराम शर्मा, अर्चना पांडे, विद्या पंचागम, रीता गुप्ता, राजेंद्र यादव, आसपुरण चौधरी, देवेन्द्र साह, प्रमोद साहू, मनोज साहू, नीरज प्रजापति सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता थीम पर तिरंगा यात्रा

निकाय व जनपद के जनप्रतिनिधि व कर्मचारी शामिल

डोंगरगांव नगर। भारत सरकार के मंशानुरूप एवं राज्य शासन के गाईड लाईन के परिपालन में स्थानीय प्रशासन द्वारा अनुभाग मुख्यालय डोंगरगांव नगर एवं अंचल में तिरंगा यात्रा निकाली गई। प्रथम चरण में नगर से निकलकर ग्राम कोकपुर में यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में नगर पंचायत व जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधियों सहित ब्लॉक के सरपंच व सचिव शामिल हुए। नगर में पैदल तिरंगा यात्रा उपरांत यात्रा बाईक रैली में तब्दील होकर कोकपुर पहुँची। इस दरम्यान मार्ग में विभिन्न ग्रामों में स्कूली बच्चों ने बाइक रैली में पुष्प वर्षा करके एवं जयहिंद के नारों के साथ स्वागत किया। समापन अवसर पर प्रमुख नेताओं व जनप्रतिनिधियों ने तिरंगा यात्रा के थीम पर उदबोधन देते हुए कहा कि देश के शहीदों का पुण्य स्मरण करते हुए देशभक्ति के जज्बे को अक्षुण्य बनाये रखते हुए भारत देश की सैन्य शक्ति के प्रति सम्मान प्रकट करने एवं प्रत्येक देशवासी के घर में स्वच्छता को लेकर चिरस्थाई जागरूकता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 3 चरणों मे 15 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। नगर में पैदल तिरंगा यात्रा में समाजसेवी दिनेश गाँधी, जनपद पंचायत अध्यक्ष

रंजीता कपिल पडौती, नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, जनपद उपाध्यक्ष मनीष साहू, जया तिमेश साहू, रेशमा साहू, उमेश साहू, विवेक भंडारी, सचिव संघ के रामदुलार साहू, सीईओ रोशनी भगत टोप्पो सहित अनेक जनपद सदस्य पार्षद, सरपंच व सचिव शामिल हुए।

आवारा पशुओं को पकड़ने चलाया गया अभियान अभी पालकों को दी जा रही है समझाइश

दल्लीराजहरा। बालोद जिला कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार 06 अगस्त को अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व सुरेश साहू,दल्लीराजहरा सीएसपी चित्रा वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र वारडेकर,टी आई रवि शंकर पांडे के द्वारा संयुक्त टीम एवं अध्यक्ष नगर पालिका दल्लीराजहरा तोरण साहू, व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी, एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से दल्ली राजहरा के मुख्य मार्ग एवं स्थानीय मार्गो में पशुपालकों द्वारा लापरवाही व गैर जिम्मेदारी पूर्ण पशुओं को सड़क एवं सार्वजनिक स्थल पर स्वतंत्र रूप से आवारा पशुओं को काऊ कैचर के माध्यम से पकड़ा गया एवं पशु मालिकों को समझाइए देते हुए कहा गया कि सार्वजनिक स्थलों एवं रोड पर मवेशीयों को खुले में ना छोड़े, घूमते पाए गए तो संबंधित मलिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 291 और पशु क्रूरता अधिनियम 1960 की धारा 11 (1) के तहत सजा और कार्रवाई की

जावेगी। मुख्य मार्ग एवं अन्य स्थानीय मार्ग में रखे मकान का मलवा, फल विक्रेताओं एवं अन्य विक्रेताओं द्वारा,रोड पर अतिक्रमण कर, सामग्री रखने पर विक्रेताओं दुकानदारों से नगर पालिका एवं राजस्व की टीम द्वारा लगभग 11 हजार रुपए एवं ट्रैफिक पुलिस के द्वारा 15 वाहनों पर चालान की कार्यवाही कर 4500रु जुर्माना वसूला गया। दुकानदार एवं वाहन मालिकों को लोडिंग अनलोडिंग 10:00 करें एवं गुप्ता चौक से जैन भवन चौक तक अतिक्रमण किए हुए दुकानदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया गया कि बिना हेलमेट के किसी भी दुपहिया वाहन को पेट्रोल न दिया जाए एवं अपने पंप पर नोटिस चस्पा करें कि हेलमेट पहने हुए व्यक्ति को ही पेट्रोल दिया जाएगा । इस संयुक्त कार्यवाही में आर आई (राजस्व)रोहित शर्मा, नगर पालिका के राजस्व प्रभारी बुद्धिमान सिंह, विपिन बेहरा, निर्भय राम नरेटी, अब्दुल कलीम,सुशील टंडन, धर्म बक्शी अनंत साहू, चिरंजीव, एवं पुलिस विभाग, यातायात विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

सामाजिक भवन की मांग को लेकर जायसवाल समाज मिला नगर पालिका अध्यक्ष से

दल्लीराजहरा। जायसवाल समाज दल्लीराजहरा को जायसवाल भवन बनाए जाने के लिए भूमि आबंटन करने के संदर्भ में पिछले दिनों नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी से सौजन्य भेंट की गई। सौजन्य भेंट के दौरान राजहरा जायसवाल समाज के, अध्यक्ष सुरेश जायसवाल एवं रवि जायसवाल वरिष्ठ सदस्य व पत्रकार व अन्य पार्षद गण भी उपस्थित थे। जानकारी मिली है कि जायसवाल समाज को भूमि आबंटित करने के लिए पी आई सी की बैठक में प्रस्ताव पारित कर लिया गया है । सौजन्य भेंट करने के लिए पहुंचे समाज के सदस्य होने नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू से मुलाकात किए तब साहू ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया की जायसवाल समाज को भूमि आबंटित करने संबंधित विभागीय से प्रक्रिया आरंभ कर दिया जाए। इसके उपरांत मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने , अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को इसके लिए संबंधित पक्षों से आवश्यक पत्राचार कर भूमि आबंटन करने की प्रक्रिया आरंभ करने का निर्देश दिया, तथा कहा कि पत्राचार के बाद कार्रवाई में क्या प्रगति हुई इसकी जानकारी जायसवाल समाज के अध्यक्ष को बताई जाए। जायसवाल समाज के अध्यक्ष सुरेश जायसवाल ने नगर पालिका अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के सकारात्मक कार्रवाई पर संतोष प्रकट किया है।

ब्रह्माकुमारीज ने बेमेतरा वृद्धाश्रम में मनाया रक्षाबंधन

बेमेतरा। ब्रह्माकुमारीज बेमेतरा द्वारा वृद्धाश्रम में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया, बी के शशि बहन ने बेमेतरा वृद्धाश्रम के सभी वृद्धजनों को राखी बांधीं और मुख भी मीठा कराया साथ ही प्रसाद और ईश्वरीय सौगात दिया। यह पर्व आध्यात्मिक दृष्टिकोण से मनाया जाता है, जहां बहनें भाइयों के प्रति स्नेह और सुरक्षा की भावना व्यक्त करती हैं। बी के शशि बहन ने रक्षाबंधन का अध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि यह रक्षाबंधन भाई बहन के वैश्विक रिश्ते की स्मृति दिलाता है । बहन भाई के निर्मल प्रेम का प्रतिक है । आज के इस वर्तमान युग में बहन भाई को तिलक लगाती है, राखी बांधती है और भाई बहन को कुछ सौगात देकर अपनी जिम्मेवारी पूरी कर लेता है 7 अध्यात्मिक रहस्य छिपे इस त्यौहार को जब ऐसे मनाया जाने लगा तब परमपिता परमात्मा इस धरती पर अवतरित होकर इसका सच्चा महात्म्य हमें समझाते हैं।

यह मस्तक पर लगाया जाने वाला तिलक आत्मिक स्मृति दिलाता है, राखी श्रेष्ट संकल्प में खुद को बांधने प्रतिक है और मिठाई खिलाना

अर्थात मुख से सदा मीठे वचन निकालने का प्रतिक है । ब्रह्माकुमारीज संस्था रक्षाबंधन को एक आध्यात्मिक पर्व के रूप में देखती है, जिसमें प्रेम, सुरक्षा और भाईचारे की भावना को बढ़ावा दिया जाता है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था अक्सर वृद्धाश्रमों में जाकर बुजुर्गों को राखी बांधती है, जिससे उन्हें खुशी और सम्मान का अनुभव होता है। यह पर्व व्यक्तियों के भीतर आंतरिक शांति और आनंद के उद्भव में भी मदद करता है। वरिष्ठ समाजसेवी ताराचंद माहेश्वरी जी ने कहा की ये बहने ईश्वर की प्रतिनिधि बनकर के आपके पास आई हैं इनका यह कितना सराहनीय कार्य है की जो निस्वार्थ भाव से सेवा करती है, रक्षा सूत्र बांधकर हमसे उपहार में केवल कमी कमजोरी , व्यसन , विकारों का दान मांगती है । जरुर इनके ऐसे प्रयास से एक दिन विश्व परिवर्तन हो ही जायेगा । यह पर्व बुजुर्गों को सकारात्मकता और खुशी का संदेश देता है, जिससे वे अपने जीवन में खुशहाल और स्वस्थ महसूस करते हैं। यह पर्व नकारात्मकता, अशांति और हिंसा से मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है, और प्रेम और मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने में मदद करता है। रक्षाबंधन का यह आयोजन समाज को यह संदेश देता है कि हमें अपने बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए।

विधायक दीपेश साहू ने किया श्रीराम एकेडमी में एमएलए फेलोशिप कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रतिभाशाली छात्रों को मिलेगा एक लाख रुपये तक का पुरस्कार, दो सौ छात्रों को दिया जाएगा विधानसभा भ्रमण का सुनहरा अवसर

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विधायक फेलोशिप कार्यक्रम सपनों की उड़ान का शुभारंभ किया। यह आयोजन श्रीराम एकेडमी, बेमेतरा में हुआ, जिसमें जिलेभर से आए सैकड़ों छात्र-छात्राएं, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक दीपेश साहू ने प्रोजेक्टर के माध्यम से रिमोट दबाकर की। मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का गुलाब फूल भेंट कर स्वागत किया गया। श्री साहू ने प्रथम पंजीयन फॉर्म भरवाकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की । इस फेलोशिप कार्यक्रम के तहत चयनित प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एक लाख रुपये का पुरस्कार मिलेगा। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 51 हजार रुपये, तृतीय स्थान वाले को 31 हजार रुपये दिए जाएंगे। प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को 5,100 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा।शीर्ष एक सौ प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और शील्ड प्रदान की जाएगी। शीर्ष दो सौ प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। पंजीयन प्रक्रिया 11 अगस्त से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगी। विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि बेमेतरा के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, उन्हें केवल उचित मार्गदर्शन और अवसर की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं शिक्षक के रूप में अपने जीवन की शुरुआत की थी, इसलिए शिक्षा का महत्व भली-भांति जानते हैं। इसी सोच के साथ इस फेलोशिप कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र भी आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि श्रीराम एकेडमी के माध्यम से पहले से ही निशुल्क

कोचिंग दी जा रही है, जिसका सकारात्मक परिणाम सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में देखने को मिला है। अब यह फेलोशिप कार्यक्रम छात्रों को नई ऊर्जा और लक्ष्य प्रदान करेगा। मेरा सपना है कि हर गांव से एक भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय पुलिस सेवा का अधिकारी निकले, और यह तभी संभव होगा जब हम शिक्षा को प्राथमिकता दें। इसी सोच के साथ मैं स्वयं छात्रों का नामांकन कर रहा हूं। सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष दिनेश दुबे ने कहा कि विधायक दीपेश साहू ने युवाओं की भावनाओं को समझते हुए एक ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम उठाया है। मात्र नौ माह में श्रीराम एकेडमी के दो छात्रों ने राज्य स्तर पर स्थान प्राप्त कर कोचिंग की गुणवत्ता को सिद्ध किया है। जितेंद्र शुक्ला ने कहा कि श्रीराम एकेडमी केवल एक कोचिंग सेंटर नहीं, बल्कि शिक्षा का मंदिर है। वरिष्ठ पत्रकार किशोर तिवारी ने कहा कि छात्रों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि कोचिंग और विधायक साहू का मार्गदर्शन सही दिशा में है। वरिष्ठ पत्रकार अमीन पप्पू रवानी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए श्रीराम एकेडमी अब एक भरोसेमंद नाम बन चुका है। यह योजना गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों को बड़ा मंच दे रही है। पत्रकार योगेश सिंह राजपूत ने कहा कि सपना वह नहीं जो सोते समय देखा जाए, बल्कि सपना वह है जो जागकर पूरा किया जाए। विधायक साहू ने वही सपना साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाया है। वे केवल जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि दूरदर्शी सोच के प्रतीक हैं। कार्यक्रम का संचालन मनीष वर्मा द्वारा किया गया।इस अवसर पर सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष दिनेश दुबे , वरिष्ठ पत्रकार किशोर तिवारी, अमीन पप्पू रवानी, योगेश सिंह राजपूत, कोमल सिंह राजपूत, भूपेंद्र साहू, योगिता साहू, अरुण कुमार, अरुण पुरैना, ईश्वर सिंह राजपूत, सुफल मानिकपुरी, योगेश राजपूत, ममता ग्वालवंशी, उमाशंकर दिवाकर, सुरेंद्र मैड़ी धिवर, मोहन पटेल, युवराज पटेल, परमेश्वर यादव, हिमाचल शर्मा, लाल सिंह ठाकुर, अजीत सिंह राजपूत, ताम्रध्वज साहू, भारत चतुर्वेदी, तोमेश्वर खरे, ओमकार सियान तथा श्रीराम एकेडमी के शिक्षक वाई डी साहू, दिलीप मंथन, भूषण साहू, लिकेश साहू, स्मिता सिंह, पम्पी साहू, मनीष वर्मा, मोहित निषाद, गोपी निषाद सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

उमस भरी गर्मी से राजधानीवासी परेशान दोपहर को हुई हल्की वर्षा

रायपुर। मानसून का पूर्वी छोर अरूणाचल प्रदेश की ओर चला गया है। इसके कारण आज राजधानी के कुछ स्थानों पर हल्की सी मध्यम वर्षा हुई है। राजधानी में पिछले दो दिनों से गर्मी के कारण उमस भरा माहौल है इसके कारण लोग परेशान हो गये है और दोपहर 12 बजे अचानक हुई हल्की एवं मध्यम वर्षा के कारण उमस और बढ़ गई। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा के अनुसार मानसून द्रोणिका का पूर्वी छोर अरूणाचल प्रदेश की ओर चला गया है। जिसके कारण कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी। यहां पर गरज चमक के साथ छीटे पड़ने का पूर्वानुमान है। पिछले दो दिनों से तेज गर्मी के कारण लोग उमस भरी माहौल से परेशान हो गये हैं। राजधानी में इस समय स्थानीय चिकित्सकों के यहां भारी भीड़ लगी हुई है सदी खांसी एवं जल जनित रोग तेजी से फैल रहे हैं। मेडिकल स्टोर में भी दवाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। मेकाहारा में एक पृथक से वार्ड भी बनाया गया है जिसमें मरीजों के उपचार के उचित व्यवस्था की गई है। डॉ. चंद्रा ने बताया कि मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, शाहजहांपुर, लखनऊ, छपरा, बांकुरा, केनिंग और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पश्चिम विहार और उससे लगे उत्तर पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। प्रदेश में कल दिनांक 4 अगस्त को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने और भारी वर्षा होने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: चरम उत्तर छत्तीसगढ रहने की सम्भावना है ।

अवैध निर्माण रोकने के संबंध में निगम कर रहा हाईकोर्ट आदेश की अवहेलना -नंदकिशोर अग्रवाल

रायपुर। शहर में स्वयं के मकान को दोमंजिला बनाने के उपक्रम में नगर निगम के नगर निवेश विभाग द्वारा अनुज्ञा पत्र जारी किया जाता है किंतु अनेक रहवासियों द्वारा निर्देशों की अवहेलना कर द्वितीय मंजिल निर्माण के दौरान अवैध रूप से निर्माण कर आदेश की उपेक्षा की जाती है इसी क्रम में आज नंदकिशोर अग्रवाल आशीष अग्रवाल निवासी गीतांजलि नगर मकान नंबर 5 एवं 7 सेक्टर एक ने प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि 5 एवं 7 के बीच प्लांट नंबर 6 निवासी अलंकार स्टेशनरी एमजी रोड के मालिक नीरज एवं विशाल द्वारा निगम के स्वीकृत नक्शे के विरुद्ध कार्य किया जा रहा है। उनके आवास के चारों ओर हवा पानी के लिए स्थान न छोड़कर दीवारचिपका कर निर्माण किया जा रहा है । आपत्ति करने पर भी निर्माण कार्य 24 घंटे जारी है। अग्रवाल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इस संबंध में उन्होंने जोन कमिश्नर क्रमांक 3 महापौर को अनेकोंबार पत्र लिखकर उक्त निर्माण कार्य रोकने के लिए निवेदन किया था इसके बावजूद भी निर्माण कार्य अब तक जारी है। इस संबंध में अग्रवाल बंधुओं ने याचिका क्रमांक 17/8/2025 के तहत मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया था जिस पर न्यायमूर्ति अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने आदेश जारी करते हुए निगम आयुक्त को निर्माण कार्य के लिए निर्माण कर्ता को स्वीकृत मानचित्र के आधार पर निर्माण कार्य जारी रखने का आदेश जारी किया था बावजूद इसके निर्माण कार्य हाईकोर्ट के आदेश की उपेक्षा कर जारी है। अग्रवाल बंधुओं ने इस समय हाईकोर्ट में पुन: अवमानना याचिका लगाए जाने की जानकारी पत्रकारवार्ता में दी।

शिक्षक दिवस पर शासन द्वारा शिक्षकों का किया जाएगा सम्मान

रायपुर। अगले माह 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की भी घोषणा की जाएगी। राज्य में राज्यस्तरीय पुरस्कार का वितरण राज्यपाल राजभवन में पांच सितंबर को करेंगे। शिक्षक दिवस पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। देश की राष्ट्रपति दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सैनिक शिक्षकों को पुरस्कार देगी। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में राष्ट्रीय शिक्षक के पुरस्कारों के लिए आवेदन मंगाए गए थे जो कि केंद्र में मानव संसाधन विभाग को भेज दिये गये हैं। इसके लिए निर्धारित मापदंड पूरा करनाहोता है। इस वर्ष किसे पुरस्कार मिलेगा इसका निर्धारण नहीं किया गया है। लेकिन बड़ी संख्या में आवेदन पत्र दिल्ली चले गये हैं। स्कूल शिक्षा संचालनालय से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में पिछले वर्ष 2025 के लिए पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई थी। अब 2026 के लिए पुरस्कारों की घोषणा शिक्षक दिवस के अवसर पर की जाएगी। शिक्षा संचालनालय के अनुसार इस वर्ष भी सभी जिलों से आवेदन पत्र मंगाए गये है। जिन जिन जिलों के शिक्षकों का चयन किया जाएगा उनकी घोषणा कर दी जाएगी। जिन शिक्षकों का चयन हुआ है उन्हें 50 हजार तथा श्रीफल एवं शॉल दिया जाएगा। राज्य के शिक्षामंत्री विष्णुदेव साय है इसलिए इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। पांच सितंबर शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। राज्य के कई सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा।

तहसीलदारों की हड़ताल से बढ़ने लगी फाइलों का अंबार

रायपुर। प्रदेश में तहसीलदारों की हड़ताल की वजह से फाइलों का अंबार लग रहा है। राज्य की सभी तहसीलों में लंबित प्रकरणों की संख्या बढ़ने लगी है। तहसीलों और सभी राजस्व न्यायालयों को मिलाकर 20 हजार से अधिक फाइलें पेंडिंग हो गई हैं। इन पर कोई फैसला नहीं हो पा रहा है। इधर सभी जिलों में चालू शैक्षणिक सत्र के चलते छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों को आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने तहसीलों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लग रही है। राजस्व कोर्ट में फैसले भी अटके पड़े हैं। इसके बावजूद रजिस्ट्री पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ रहा है, लेकिन जमीन से जुड़े अन्य मामले ठंडे बस्ते में चले गए हैं। तहसीलदारों की हड़ताल से रोजमर्रा के सामान्य कामकाज भी नहीं हो पा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक सभी जिलों में आय प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए छात्रों के सबसे ज्यादा आवेदन लंबित पड़े हैं। कई मामलों में छात्रों को समय सीमा में जमा करना अनिवार्य है। लेकिन हड़ताल के चलते तहसीलदारों के दस्तखत नहीं हो पा रहे हैं। यही स्थिति मूल निवास प्रमाण पत्र के आवेदनों को लेकर है। स्कूली छात्रों को गुहार लगाते भटकना पड़ रहा है। नक्शा नकल से लेकर शोध क्षमता प्रमाण पत्र के कार्य भी अटक गए हैं। इनमें से ज्यादातर कार्य तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों की निगरानी, अनुमोदन और आदेश से ही संपादित होते हैं।

सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्यों तथा सामग्रियों के मानकों की दी जा रही जानकारी

गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्रियों के चयन के लिए मानकों की जानकारी जरूरी

- पीडब्लूडी के अभियंताओं के लिए बीआईएस द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री
- देशभर से आए विशेषज्ञ निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री और कार्यों के नए मानकों की दे रहे जानकारी

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव आज भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए। भारतीय मानक ब्यूरो के रायपुर कार्यालय द्वारा रायपुर के नवीन विश्राम भवन में 6 अगस्त और 7 अगस्त को दो दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। देशभर से आए विषय विशेषज्ञ कार्यक्रम में अभियंताओं को अलग-अलग तरह के निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्रियों और कार्यों के नए मानकों की जानकारी दे रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के विभिन्न जिलों के अभियंता इसमें हिस्सा ले रहे हैं जिनमें अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और सहायक अभियंता शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम में कहा कि लगातार बदल रही तकनीकों, जरूरतों और अनुसंधानों के बीच नए मानकों और नवाचारों से अपडेट रहना जरूरी है। एक इंजीनियर के रूप में सम-सामयिक तकनीकी पहलुओं और उनके नवीन मापदंडों की जानकारी आवश्यक है। अलग-अलग तरह के निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने में इनकी अच्छी

जानकारी काफी मददगार होती है। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो को क्षमता निर्माण कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे हमारे अभियंताओं की दक्षता और क्षमता बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अभियंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि निर्माण उद्योग में अलग-अलग कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं की भिन्न-भिन्न गुणवत्ता और कीमत वाली सामग्री मौजूद हैं। गुणवत्ता और मानकों की अच्छी जानकारी रहने से आप सही सामग्रियों का चयन कर सकते हैं। आपके पर्यवेक्षण में हो रहे कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आपकी है। इसके लिए निर्माण कार्यों में मानकों के अनुरूप प्रमाणित सामग्रियों का उपयोग करें। श्री साव ने दो दिनों तक चलने वाले इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम का पूरा लाभ लेते हुए अपनी जानकारियों को अपडेट करने को कहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं को कार्यस्थल पर प्रभावी कार्य संपादन में सहायता मिलेगी। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी ने कहा कि देश-दुनिया में प्रचलित मानकों और मापदंडों से विभाग के अभियंताओं को अवगत कराने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि हर अभियंता को मानकों की पूरी जानकारी रखने के साथ ही फील्ड में इनका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराना चाहिए। उन्होंने मानकों और मापदंडों का पालन कर राज्य में हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने को कहा। भारतीय मानक ब्यूरो के क्षेत्रीय निदेशक श्री सुमन कुमार गुप्ता और वैज्ञानिक श्रीमती मधुरिमा माधव ने भी प्रतिभागी अभियंताओं को संबोधित किया। भारतीय मानक ब्यूरो के रायपुर कार्यालय के संयुक्त निदेशक श्री फालेन्द्र कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

राज्योत्सव में देश के प्रधानमंत्री करेंगे नवीन विधानसभा का उद्घाटन-साय

रायपुर। नवा रायपुर में निर्माणाधीन छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन का कार्य तीव्र गति से अपने अंतिम चरण में पहुँच रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने विधानसभा भवन स्थल पर पहुँचकर निर्माणकार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य को निर्धारित समय-सीमा, सितम्बर 2025 तक हर हाल में पूर्ण किया जाए, ताकि राज्योत्सव (1 नवम्बर) के अवसर पर इसे जनता को समर्पित किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का यह रजत जयंती वर्ष है, जिसे पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। नवीन विधानसभा भवन का निर्माण कार्य अब पूर्णता की ओर अग्रसर है। रजत जयंती वर्ष पर राज्य को एक नया, भव्य विधानसभा भवन प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को राज्योत्सव कार्यक्रम हेतु आमंत्रित किया गया है, और उनके करकमलों से इस नवीन विधानसभा भवन का लोकार्पण प्रस्तावित है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि नए विधानसभा भवन का निर्माण अब अंतिम चरण में पहुँच चुका है। आज विधानसभा सदन, विधानसभा अध्यक्ष का कक्ष, मुख्यमंत्री का कक्ष तथा सम्पूर्ण परिसर का अवलोकन कर निर्माण की प्रगति का निरीक्षण किया गया।

निर्धारित समय पर नवीन विधानसभा भवन का विधिवत लोकार्पण किया जाएगा। नवीन विधानसभा भवन में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं का समुचित समावेश किया गया है। भवन में तीन प्रमुख विंग निर्मित किए जा रहे हैं ङ्क विंग-ए में विधानसभा सचिवालय, विंग-बी में मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय सहित विधानसभा सदन व सेंट्रल हॉल, तथा विंग-सी में उप मुख्यमंत्रियों एवं अन्य मंत्रियों के कार्यालय स्थित होंगे। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि नया विधानसभा भवन केवल एक शासकीय संरचना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक भव्यता एवं वैभव का प्रतीक बनेगा। 52 एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित यह नवीन विधानसभा भवन आधुनिक तकनीकी विशेषताओं और सांस्कृतिक सौंदर्य से युक्त एक भव्य परिसर होगा। सदन में 200 विधायकों के बैठने की क्षमता के साथ-साथ 500 दर्शकों की क्षमता वाला अत्याधुनिक ऑडिटोरियम भी होगा।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने बोदली उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

- टीबी मरीजों को पोषण आहार, गर्भवती महिलाओं को फ्लकिट एवं आयुष्मान कार्ड वितरित
- किशोरी बालिका की आंखों की गंभीर समस्या के उपचार हेतु स्वास्थ्य मंत्री ने सीएमएचओ को किया निर्देशित

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज दंतेवाड़ा जिले के बोदली स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, प्रसव कक्ष, टीबी मरीजों की देखरेख तथा स्वास्थ्य रजिस्टरों के संधारण की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मितानिन बहनों ने पारंपरिक तरीके से मंत्री श्री जायसवाल का स्वागत करते हुए उन्हें राखी बांधी। इस आत्मीय क्षण पर मंत्री ने मितानिनों को साड़ी भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रदाय के संबंध में प्रोत्साहित करते हुए यह आश्वासन दिया कि उनके मानदेय का भुगतान हर माह की 15 तारीख तक दिया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। श्री जायसवाल ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से एचआरपी श्रेणी की गर्भवती महिलाओं को समय पर उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करने, अंडा वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा मलेरिया मुक्त अभियान के तहत घर-घर जाकर जांच और उपचार की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के भी निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब ग्राम की एक बालिका कविता पुनेम ने अपनी आंखों की गंभीर समस्या के इलाज के लिए मंत्री से सहायता की गुहार लगाई। मंत्री श्री जायसवाल ने मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बच्ची को रायपुर रेफर करने के निर्देश दिए और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। निरीक्षण के उपरांत मंत्री द्वारा विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं के लाभ प्रदान किए गए। इस अवसर पर उन्होंने टीबी से पीड़ित मरीजों को पोषण आहार, गर्भवती महिलाओं को फ्लकिट, पात्र ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना एवं वय वंदन योजना के कार्ड वितरित किए।

उच्च स्तर पर हो रही बैठक

बिजली बिल का झटका,कांग्रेस करेगी आंदोलन-प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज.....

रायपुर/ संवाददाता

राज्य में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस बिजली दर में झटका देने के विरोध में राज्यस्तरीय धरना प्रदर्शन करेगी। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि इसके लिए शीघ्र ही एक उचित रणनीति बनाई जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि राज्य में बिजली कंपनी ने 400 यूनिट तक 50 फीसदी बिल में छूट का दायरा घटाया है जिसको लेकर आम उपभोक्ताओं में रोष है। उन्होंने कहा कि यह लाभ अब सिर्फ 100 यूनिट वालों को मिलेगा। बैच ने बताया कि ऊर्जा विभाग में 50 फीसदी बिजली बिल छूट योजना में संशोधन किया है। ऊर्जा विभाग का दावा है कि इस संशोधन आदेश से 45 लाख उपभोक्ताओं में 31 लाभ परिवार को लाभ मिलेगा। कांग्रेस का कहना है कि भीषणा गर्मी में महंगाई में भी छूट का दायरा घटना काफी भयावह है। इससे आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इसका सर्वाधिक असर गृहिणिया पर पड़ेगा जो कि अपना खर्च ले देकर चलाती है इससे अतिरिक्त आर्थिक भार पढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस पूरे मुद्दे को लेकर राज्य एवं जिला स्तर पर रूपरेखा बना रही है। इसके लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक बुलाई जा रही है। ज्ञात रहे कांग्रेस ने पहले भी बिजली बिल बढ़ाये जाने का विरोध किया था। विकास उपाध्याय ने कहा कि महंगाई की मार झेल रहे छग के लोगों को साय सरकार बिजली हाफ योजना का झूठा लाभ दे रही है। भूपेश बघेल ने भी इसका विरोध किया है और इसे जनता के साथ धोखा बताया है।

मोबाइल लूट में उम्रकैद की सज़ा : रायपुर कोर्ट ने दो आरोपियों को दिया सख्त दंड

रायपुर। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में तीन साल पुराने मोबाइल लूट के एक मामले में कोर्ट ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई है। यह पहली बार है जब मोबाइल लूट के किसी मामले में इतनी कठोर सज़ा दी गई है। अपर सत्र न्यायाधीश शैलेश शर्मा की अदालत ने शेख शब्बीर और आशीष मिर्झा उर्फ लियॉन उर्फ बबलू को दोषी मानते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने दोनों पर क्रमश: 40,000 और 50,000 का जुर्माना भी लगाया है। यह घटना 1 सितंबर 2022 की है, जब देवेंद्र साहू सुबह लगभग पौने पाँच बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। गोंदवारा के एकता नगर इलाके में एक्टिवा पर सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया।

वनमंत्री कश्यप ने वन्यप्राणी के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष बल देने निर्देशित किया

बारनवापारा अभ्यारण्य क्षेत्र को बढ़ाने के दिए निर्देश-वनमंत्री कश्यप

- वन विभाग के कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की
- ईको टूरिज्म में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ें ई-ऑक्शन की सराहना की

रायपुर/ संवाददाता

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में विभागीय काम-काज की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि मोदी की गारंटी के तहत वनोपज खरीदी दर और बोनस की राशि का भुगतान के साथ ही देवगुड़ियों के संरक्षण, लेमरू हाथी रिजर्व से जुड़े मुद्दे, प्रोजेक्ट बघवा, किसान वृक्ष मित्र योजना और मानव पशु द्वंद से हुई जनहानि एवं कृषि उपज प्रभावित होने वाले किसानों को फसल क्षति कवर प्रदान करने प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का लगभग शत-प्रतिशत निराकरण कर दिया गया है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि ई-ऑक्शन के माध्यम से वनोपज एवं काष्ठों की नीलामी की जा रही है। अपर मुख्य सचिव वन श्रीमती ऋचा शर्मा ने ई-ऑक्शन को राज्य में मिल रहे बेहतर प्रतिसाद की सराहना करते हुए अधिकरियों को बधाई दी। बैठक में मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि वर्षा ऋतु-2025 में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' के तहत वन विभाग और वन विकास निगम द्वारा 2 करोड़ 17 लाख पौधे रोपित किए गए हैं। वन विकास निगम द्वारा 4 माइक्रो फारेस्ट (मियावाकी) स्थलों पर 26 हजार पौधों का रोपण किया गया है। अधिकारियों ने मंत्री श्री कश्यप को बताया कि 10.34 हेक्टेयर भूमि में 5 माइक्रो फारेस्ट (मियावाकी वन) की स्थापना

प्रस्तावित है। मंत्री श्री कश्यप ने वन विकास निगम के माध्यम से बारनवापारा अभ्यारण्य क्षेत्र को बढ़ाने के निर्देश अधिकरियों को दिए। उन्होंने माइक्रो फारेस्ट (मियावाकी) की स्थापना अर्बन क्षेत्रों में करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने वृक्षारोपण की प्रगति के संबंध में कहा कि वन विकास निगम के वर्किंग प्लान में वरिष्ठ अधिकारियों को रखे जाने से बेहतर परिणाम मिलेगा, जिससे मॉनिटरिंग अच्छे से होगी। उन्होंने कहा कि माइनिंग सहित सभी विभागों और शहरी क्षेत्रों में प्रमुखता से वृक्षारोपण किया जाए तथा टेक्निकल सपोर्ट के लिए नोडल अधिकारी बनाया जाए। वर्ष 2024-25 में 25 ईको टूरिज्म केन्द्रों से 2 करोड़ 62 लाख रूपए से अधिक की आय हुई है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि ईको टूरिज्म से प्राप्त होने वाली आय का उपयोग महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी ईको टूरिज्म केन्द्रों में बेहतर सुविधाओं का विस्तार करें। अधिकारियों ने बताया कि 7 नवीन ईको टूरिज्म केन्द्रों की स्थापना प्रस्तावित है, जिसका इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। बैठक में अधिकारियों ने मंत्री श्री कश्यप को कैंपा मद से संचालित कार्यों की अद्यतन स्थिति और वन अधिकार पत्रधारी के नामांतरण और बटवारे की जानकारी से भी अवगत कराया। मंत्री श्री कश्यप ने वन्यप्राणी संरक्षण, बाघ संरक्षण, अचानकमार्ग टायगर रिजर्व के ग्रामों के विस्थापन के प्रगति की समीक्षा की। लेमरू हाथी रिजर्व का विकास, तमोर पिंगला, सेमरसोत और बादखोल अभ्यारण्य में वन्यप्राणी संरक्षण और वन्य प्राणी से होने वाले जनहानि, फसल क्षति की भी विस्तृत समीक्षा की। राज्य वन एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा एक वर्ष में कराए गए अनुसंधान कार्यों और उनकी गुणवत्ता की समीक्षा की। खदान प्रभावित क्षेत्रों में वन्यप्राणी संरक्षण की योजना और वृक्षारोपण कार्य की जानकारी ली और आगामी वर्ष के लिए की जाने वाली कार्ययोजना बनाने निर्देशित किया।

संपादकीय

भारत पर दबाव की नीति से काम कर रहे ट्रंप

पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह अलग-अलग देशों पर शुल्क लगाने की बात कर रहे थे, उसे कई अर्थों में दबाव की रणनीति माना जा रहा था। मगर इस मसले पर अब उन्होंने जिस तरह के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं, उससे साफ है कि मनमाने तरीके से शुल्क लगाने के फैसले का इस्तेमाल किसी देश की नीति को प्रभावित करने के लिए एक औजार के तौर पर किया जा रहा है। इस क्रम में ट्रंप बीते दिनों बार-बार यह कहते रहे कि वे भारत से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर भारी शुल्क लगाएंगे। मगर उनके बयानों में जैसे उतार-चढ़ाव देखे गए, उसके मद्देनजर यह उम्मीद की जा रही थी कि वे अपनी जिद पर विचार करेंगे और भारत को लेकर उदार रुख अपनाएंगे। खासतौर पर इसलिए भी कि बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के नए दरवाजे खुले थे और थोड़ी सक्रियता बढ़ी थी। गौरतलब है कि व्यापार वार्ता के संदर्भ में अमेरिका और भारत के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेत सामने आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर एक अगस्त से पच्चीस फीसद शुल्क और रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि यह कोई अचानक हुआ फैसला नहीं लगता है और ट्रंप ने इस बार सत्ता में आने के बाद से ही आयात पर शुल्क लगाने की घोषणाओं पर कुछ जगहों पर अमल करना शुरू कर दिया है। मसलन, कनाडा पर ट्रंप ने पैंतीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा कर दी थी, जबकि उस समय व्यापार वार्ता जारी थी और एक समझौता होने की उम्मीद थी। भारत पर भी पच्चीस फीसद शुल्क तब लगाने की बात कही गई, जब अमेरिका के साथ द्विपक्षीय अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर अंतिम दौर की कोशिशें जारी थीं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के वार्ताकारों का एक समूह पच्चीस अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर में हिस्सा लेगा। सवाल है कि व्यापार वार्ता के प्रयास जारी रहने और उसके निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति को शुल्क लगाने की घोषणा करने की जल्दबाजी करने की जरूरत क्यों लगी। क्या इस फैसले को व्यापार वार्ता में अपने हित में नीतिगत फैसले लेने के लिए दबाव बनाने की रणनीति नहीं माना जाएगा? एक दलील यह दी गई है कि भारत का शुल्क बहुत ज्यादा रहा है, इसलिए अमेरिका ने इसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है। अगर ऐसा है तो इस मसले पर पहले बातचीत के जरिए दोनों पक्षों के बीच सहमति के बिंदुओं तक पहुंचने की जरूरत थी, न कि सीधे भारी शुल्क लगाने की घोषणा के जरिए दबाव बनाने की। फिर इसी बीच पाकिस्तान के साथ मिल कर अमेरिका के 'तेल भंडारों को विकसित करने' के सौदे की खबर के क्या मायने हो सकते हैं?

कटहल' का स्वाद और '12th फेल'' की कामयाबी

प्रो. मनोज कुमार

मध्यप्रदेश सिनेमा के लिए हमेशा से ऊर्वरा भूमि रही है. संभवत- अपने जन्म के साथ ही रजतपट पर मध्यप्रदेश का दबदबा रहा है. साल 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कारों में कटहल और '12ह्लद्ध फेल'' नें पुरस्कार जीत कर यह एक बार फिर प्रमाणित हो गया कि रजतपट में मध्यप्रदेश का कोई सानी नहीं. इन पुरस्कारों के साथ ही मध्यप्रदेश में फिल्म सिटी को आकार लेने के दावों को एक और वजह मिल गई है. 'कटहल' के युवा निर्देशक और पटकथा लेखक मध्यप्रदेश के हैं. युवा निर्देशक यशोवर्धन एवं पटकथा लेखक अशोक मिश्र का रिश्ता पिता-पुत्र का है. खास बात यह है कि 'कटहल' यशोवर्धन निर्देशित पहली फिल्म है. इसी तरह '12ह्लद्ध फेल' फेल एक ऐसे युवा की सच्ची कहानी है जिसने अपने आत्मविश्वास से नाकामयाबी को कामयाबी में बदल दिया. ऐसे युवक मनोज कुमार शर्मा का रिश्ता मध्यप्रदेश से हैं और वह वर्तमान में भारतीय पुलिस सेवा के उच्चाधिकारी हैं. उनकी कहानी को अनुराग पाठक ने ऐसे पिरोया कि '12ह्लद्ध फेल' ने ना केवल दर्शकों का दिल जीत लिया बल्कि एक बड़े निराश युवावर्ग में उत्साह का संचार किया.

'कटहल' का स्वाद और '12ह्लद्ध फेल' की कामयाबी से मध्यप्रदेश के सिने प्रेमियों का चेहरा खिल उठा. यह स्वाभाविक भी है और होना भी चाहिए. इस कामयाबी के बहाने फिल्म सिटी की संभावना और मध्यप्रदेश का रजतपट पर योगदान को भी समझा जा सकता है. मध्यप्रदेश हमेशा से सिनेमा के लिए मुफीद रहा है. शोमेन राजकपूर से लेकर दिग्गज फिल्म निर्देशक प्रकाश झा को मध्यप्रदेश लुभाता रहा है. यही नहीं, राजकपूर, प्रेमनाथ और सदी के नायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन का ससुराल भी मध्यप्रदेश है. लता मंगेशकर से लेकर किशोर कुमार, अशोक कुमार, अनूप कुमार, जया भादुड़ी, निदा फाजली, अन्नू कपूर जैसे अनेक नाम लिए जा सकते हैं तो पटकथा लेखकों में जावेद अख्तर और सलीम को कौन भुला सकता है? पीयूष मिश्रा की अदायगी, लेखन और आवाज के तो युवा पीढ़ी दीवानी है. यह तो थोड़े नाम हैं जिनके बिना रजतपट पर रंग नहीं चढ़ता है. नए समय में यशोवर्धन जैसे निर्देशक उम्मीद जगाते हैं. यहां इस बात का स्मरण कर लेना चाहिए कि बीते एक दशक में अनेक मल्टीस्टारर फिल्मों और टेलीविजन सीरियल्स के साथ वेबसीरिज का निर्माण हो रहा है. यह मध्यप्रदेश के कलाकारों, पटकथा लेखकों और तकनीकी जानकारों के लिए सुनहरा अवसर है. इस संभावना के साथ मध्यप्रदेश में फिल्मसिटी बनाने के लिए लम्बे समय से प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन अभी तक फिल्मसिटी की योजना मूर्तरूप नहीं ले सका है. यह एक टीस देने वाली बात है.

उल्लेखनीय है कि कभी मध्यप्रदेश फिल्म विकास निगम नाम से फिल्मों निर्माण एवं इससे संबंधित पक्षों को प्रोत्साहित करने की मकबूल संस्था थी. अनेक कारणों और नाकामी के चलते इसे बंद कर दिया गया. फिल्म विकास निगम के विसर्जन के साथ सिनेमा की असीमित संभवनाएं भी हाशिए पर चली गई. सबसे बड़ा नुकसान हुआ फिल्म विकास निगम द्वारा प्रकाशित गंभीर वैचारिक पत्रिका 'पटकथा' का अवसान. फिल्मसिटी के साथ इन सबको पुर्नजीवन देने की एक बार फिर जरूरत महसूस की जा रही है. मध्यप्रदेश में सिनेमा और फिल्मसिटी की जमीन तलाशने वाले श्रीराम तिवारी के हिस्से में फिल्म विकास निगम की जिम्मेदारी थी और आज वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संस्कृति सलाहाकार हैं तो सहज अपेक्षा होती है कि रजतपट पर मध्यप्रदेश की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने और मध्यप्रदेश की सिने प्रतिभाओं को तराशने के लिए अपने पुरानी पहल को आगे बढ़ाएं.

प्रसंगवश याद दिला देना जरूरी हो जाता है कि अगस्त 2025 में अपने पचास साल पूरा करने जा रही फिल्म 'शोले' का मध्यप्रदेश कनेक्शन रहा है. फिल्म में अमितभ बच्चन, जया भादुड़ी, जगदीप ने अभिनय किया तो सलीम-जावेद की जोड़ी भी मध्यप्रदेश से ही है. और तो और गब्बर को कैसा अभिनय करना है, यह पाठ भी अमजद खान ने देश के सुपरिचित पत्रकार एवं लेखक तरूण कुमार भादुड़ी की पुस्तक 'अभिशप्त चंबल' से किया. इस समय भोपाल में रंगमंच में सक्रिय राजीव वर्मा एवं रीता (भादुड़ी) वर्मा का भी हिन्दी सिनेमा में योगदान रहा है. अनेक फिल्मो में वर्मा दंपत्ति ने अपनी छाप छोड़ी है. इसी तरह वरिष्ठ रंग निर्देशक संजय मेहता भी रंगमंच के साथ लगातार फिल्मों में काम कर रहे हैं. हालिया 'धड़क्न-2' में भी उनकी भूमिका उल्लेखनीय है. ऐसे में मध्यप्रदेश में फिल्म सिटी की अनिवार्यता हो जाती है.

देश का दिल मध्यप्रदेश सिनेमा के लिए सौफीसद माकूल है. लोकेशन के लिहाज से, अभिनय और कथानक की दृष्टि से और सुरक्षा और सुरक्षित होने की दृष्टि से. प्रकाश झा ने आरक्षण, राजनीति और चक्रव्यूह जैसी बड़ी फिल्मों का निर्माण मध्यप्रदेश की जमीं पर किया. इसके बाद उनकी वापसी कभी होगी, किसी नए विषय को लेकर लेकिन तब तक मझोले और छोटे फिल्मकार नियमित रूप से मध्यप्रदेश में सक्रिय हैं, उन्हें सुविधा मिलेगी तो मध्यप्रदेश की सिनेमा परिदृश्य उन्नत होगा. फिल्मसिटी बन जाने से टैक्स के रूप में ना केवल सरकार को राजस्व का लाभ होगा बल्कि कलाकारों को भी उचित मेहनताना मिल सकेगा. उम्मीद की जाना चाहिए कि सबके प्रयासों से फिल्मसिटी जल्द ही आकार लेगा. तब हम हर वर्ष राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बार बार 'कटहल' का स्वाद और '12ह्लद्ध फेल' की कामयाबी का जश्न मना सकेंगे. (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

संस्कृत को घर घर तक पहुंचाने के लिए भागवत के सामयिक सुझाव

विगत दिनों नागपुर जिले के रामटेक में स्थित

कृष्णमोहन झा

कवि गुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय में नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक भवन का उद्घाटन करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा संस्कृत भाषा के महत्व को रेखांकित करते संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु व्यापक प्रयास किए जाने की आवश्यकता जताई है। संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए संघ प्रमुख ने इसे बोलचाल की भाषा बनाने पर विशेष जोर दिया । मुख्य अतिथि की आसंदी से मोहन भागवत ने कहा कि संस्कृत समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर है। भागवत ने माना कि उन्होंने संस्कृत भाषा सीखी है लेकिन उसमें धाराप्रवाह नहीं बोल सकते। संस्कृत को घर घर तक पहुंचाने एवं इसे बोलचाल की भाषा बनाने की आवश्यकता है। भागवत ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार में कविकुल गुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कि इस विश्वविद्यालय को सरकार का संरक्षण तो मिलेगा परंतु इसमें जनसहयोग भी बहुत जरूरी है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के नागपुर जिले के अंतर्गत रामटेक में 1997 में कवि कुल गुरु कालिदास विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी जिसका ध्येय वाक्य ÷राष्ट्रहिताय संस्कृतम्÷ है। नागपुर से कालिदास के जुड़ाव के कारण इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए नागपुर के रामटेक नगर का चयन किया गया।

संघ प्रमुख ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है बल्कि भारतीय संस्कृति और चेतना की वाहक है। जो व्यक्ति संस्कृत जानता है वह भारत को गहराई से समझ सकता है ।भागवत ने कहा कि आत्म निर्भर बनने की आवश्यकता पर सभी सहमत हैं जिसके लिए बुद्धि और ज्ञान का विकास करना होता है। भाषा एक भाव है। स्वत्व कोई भौतिक चीज नहीं है। यह वैचारिक और सांस्कृतिक पहचान है। इसकी अभिव्यक्ति भाषा के माध्यम से होती है। यह जिम्मेदारी केवल शिक्षा संस्थानों की नहीं बल्कि पूरे समाज की है। भागवत ने कहा कि संस्कृत को समझना देश को समझने के समान है। संघ प्रमुख ने आशा जताई कि यह संस्थान संस्कृत भाषा को न केवल जीवंत बनाए रखेगा बल्कि इसे रोजमर्रा की बोलचाल की भाषा बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे लिए वैश्विक बाजार नहीं बल्कि वैश्विक परिवार महत्वपूर्ण है। यही वसुधैव कुटुम्बकम् है। भागवत ने याद दिलाया कि 2023 में जब भारत ने जी 23 समिट की अध्यक्षता की थी उसकी थीम वसुधैव कुटुम्बकम् ही थी।

संघ प्रमुख ने देश में संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए उक्त समारोह में जो सुझाव दिए हैं वे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और उस दिशा में सक्रिय प्रयास किए जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि प्राचीनतम भारतीय भाषाओं में अग्रणी संस्कृत भाषा का गौरवशाली इतिहास है। लगभग सभी धार्मिक ग्रंथों की रचना भी संस्कृत भाषा में ही की गई है इसीलिए इसे देववाणी माना गया है। विश्व के अनेक देशों ने संस्कृत के महत्व को स्वीकार किया है। वैज्ञानिक सूचनाओं के आदान प्रदान में भी इसे उपयोगी माना जा रहा है। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए यदि संघ प्रमुख मोहन भागवत के उक्त विचारों पर गौर किया जाए तो उक्त समारोह में व्यक्त विचारों की उपादेयता स्वयंसिद्ध है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

शशि की दृष्टि, प्रकाश की नीति-उत्तर प्रदेश प्रशासन में सुशासन की नई गति

(प्रणय विक्रम सिंह)

उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक परिदृश्य में मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के रूप में एक नई संयमित सजगता का आगमन हुआ है। यह नियुक्ति मात्र वरिष्ठता की स्वीकृति नहीं, बल्कि सुशासन के सूत्रों को संयोजन से संचालन और दृष्टिकोण से निष्पादन तक पहुंचाने की एक जिम्मेदारीपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली तेजस्विता, तीव्रता, तथ्यता और तत्परता के चतुर्भुज पर आधारित है। एक ऐसी शासन-धारा, जो केवल योजनाओं की घोषणा पर नहीं, धरातल पर दिखने वाले परिणामों पर विश्वास करती है। इसी शासन-शैली को अब गोयल को गति और गहराई देनी है।

शशि प्रकाश गोयल, 1989 बैच के वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उनकी गिनती तकनीक पसंद अफसरों में होती है। गोयल ने अपने तीन दशकों से अधिक के प्रशासनिक जीवन में राजस्व, नगर विकास, गृह, पथ निर्माण, औद्योगिक विकास जैसे विभागों में निर्णायक भूमिका निभाई है। वे मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव के रूप में शासन के सबसे महत्वपूर्ण बिंदु पर क्रियाशील रहे हैं, जहां निर्णय केवल लिए नहीं जाते, उन्हें मूल्यांकन, मार्गदर्शन और मॉनिटरिंग के संतुलन से आगे बढ़ाया जाता है। उनकी प्रशासनिक शैली में संयम, संकल्प और संरचना का त्रिवेणी संगम देखा गया है।

गोयल की कार्यशैली में मौन में मिशन, संकल्प में समर्पण और फाइल में फलितार्थ की वह शैली है, जो उत्तर प्रदेश जैसे विराट प्रदेश की जटिलता को संयमित संकल्पना और संरचित संप्रेषण से साध सकती है। उनकी दक्षता नीति के पृष्ठों से आगे जाकर जनता के पलकों तक पहुंची है। यही कारण है कि वे मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में सम्मिलित रहे हैं।

गोयल, मनोज कुमार सिंह का स्थान ले रहे हैं, जिन्होंने दुर्गाशंकर मिश्रा के पश्चात यह पद ग्रहण किया था। मनोज सिंह ने अपने सीमित कार्यकाल में ग्राम्य विकास की गहराई और फील्ड की तत्परता को शासन में समाहित किया। अब शासन की अपेक्षा एक ऐसे नेतृत्व की है, जो गति में गरिमा, दृष्टि में दीर्घता और निष्पादन में नयापन ला सके।

वर्तमान समय में मुख्य सचिव के समक्ष जो कार्य-सूची है, वह केवल योजनाओं की निगरानी नहीं, जनजीवन में योजनाओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने की चुनौती है। जीबीसी-5 के तहत ?5.06 लाख करोड़ की 5600 से अधिक परियोजनाएं, नकलमुक्त परीक्षाएं, भर्तियों में पारदर्शिता, खनन और भू-माफियाओं पर नियंत्रण, शहरी संयोजन से लेकर ग्राम्य सशक्तिकरण तक सभी मोर्चों पर परिणाम दिखाना अब केवल विभागों की जिम्मेदारी नहीं, मुख्य सचिव की न्याययुक्त निगरानी और निष्पादन-शक्ति की परीक्षा है।

इसके साथ ही जेवर एयरपोर्ट और गंगा एक्सप्रेस-वे जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजनाएं इस साल पूरी होनी हैं, वहीं पंचायत चुनावों की तैयारियां भी शासन को सहज और सशक्त नेतृत्व की ओर देख रही हैं। इन सभी लक्ष्यों की डोर अब एसपी गोयल के हाथों में है।

गोयल का पिछला कार्यकाल इस परीक्षा के लिए तैयारी की तरह रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय में रहते हुए उन्होंने सीएम डैशबोर्ड, जीबीसी संचालन, डिजिटल निगरानी प्रणाली, और जनपदीय रिपोर्टिंग तंत्र को सुदृढ़ बनाया। उनके नेतृत्व में विकास को वाक्य नहीं, व्यावहारिकता की भाषा मिली। अब यही अनुभव पूरे शासनतंत्र को गति और गंभीरता देने में सहायक हो सकता है।

उत्तरदायित्व की उत्तरायण यात्रा

अब यह कुर्सी केवल कागजों की कलमकारी नहीं, बल्कि परिणामों की पारदर्शिता का प्रतीक बन चुकी है। मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के समक्ष उत्तर प्रदेश को परियोजनाओं की परिकल्पना से निकालकर जनजीवन की जागरूकता तक पहुंचाने की चुनौती है। यह कार्य केवल नियमों की निगरानी नहीं, बल्कि न्यायसंगत निष्पादन की पुनःस्थापना है।

संक्षेप में कहें तो, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को धरातल पर उतारना ही मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल की सफलता की वास्तविक कसौटी होगी। जहां केवल योजनाओं की गति नहीं, बल्कि उनका जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव ही उनके प्रशासनिक नेतृत्व की प्रामाणिकता सिद्ध करेगा।

और इसमें किंचित भी संशय नहीं कि शशि प्रकाश की कार्यशैली में, उनके नाम के अनुरूप ही, चंद्रमा की शीतल दृष्टि और प्रकाश की प्रखर दिशा का संतुलित समागम है- न शोर, न प्रदर्शन केवल शांति में साधना और प्रक्रिया में परिणाम। यही सौम्यता और संकल्पशीलता उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षाओं के अनुरूप स्थिरता, संरचना और सिद्धि के संगम तक ले जाने में समर्थ बनाती है।

यह कहना समीचीन होगा कि मुख्य सचिव के रूप में उनका कार्यकाल नीतियों के अनुपालन से आगे बढ़कर, जनजीवन में सुशासन की सजीव अनुभूति का आधार बनेगा- एक ऐसा उजास, जो 'शशि' की तरह सहज हो और 'प्रकाश' की तरह स्पष्ट। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता

गृहमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए उसने भगवा आतंकवाद का झूठा सिद्धान्त बनाया। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? पूछा जा रहा है कि उन्होंने भावावेश में आकर अतकथनी कर दी या हिन्दू अस्मिता के प्रेम में फंस कर ये दावा कर दिया? अमित शाह का उक्त कथन उन लोगों के तो गले बिल्कुल नहीं उतर रहा जो अभी तक इसी विमर्श को पल्लवित-पोषित करते आ रहे हैं कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता', तो फिर कैसे हिन्दुओं को इस मामले में एकतरफा चरित्र प्रमाणपत्र दिया जा रहा है?

(राकेश सैन)

कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? आपरेशन सिन्दूर पर संसद में हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि 'मैं गर्व से कह सकता हूं कि कोई भी हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता।' गृहमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए उसने भगवा आतंकवाद का झूठा सिद्धान्त बनाया। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? पूछा जा रहा है कि उन्होंने भावावेश में आकर अतकथनी कर दी या हिन्दू अस्मिता के प्रेम में फंस कर ये दावा कर दिया? अमित शाह का उक्त कथन उन लोगों के तो गले बिल्कुल नहीं उतर रहा जो अभी तक इसी विमर्श को पल्लवित-पोषित करते आ रहे हैं कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता', तो फिर कैसे हिन्दुओं को इस मामले में एकतरफा चरित्र प्रमाणपत्र दिया जा रहा है? निष्पक्ष हो कर अमित शाह के ब्यान को जांचा-परखा जाए तो सामने आता है कि इसमें न तो अतिरंजना है न मनोवेश या अतिश्योक्ति, बल्कि यह एतिहासिक सत्य, भारत-भूमि पर पनपा प्रमाणिक हिमालयी तथ्य है कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। आओ सबसे पहले जानें कि आतंकवाद आता कहां से है, इसका वीर्य क्या है? असल में विश्व में ईश्वर को लेकर दो तरह की अवधारणाएं या मार्ग हैं, एक

सनातन व दूसरा सेमेस्टिक या सामी। सभी मार्ग सम्मानित हैं, पर इनमें मौलिक अन्तर हैं। सेमेस्टिक मजहब में ईश्वर का एक निश्चित संदेशवाहक या पैगम्बर या दूत, एक ही धर्म ग्रन्थ रहता है-जैसे इस्लाम, ईसाई व यहूदी मजहब। उक्त सभी मजहब अपने-अपने पैगम्बर को ईश्वर का अंतिम दूत और अपने-अपने धर्म ग्रन्थों में वर्णित बातों को ही ईश्वर का अंतिम सन्देश मानते हैं। सामी मजहब वाले केवल ऐसा मानते ही नहीं बल्कि अपने पैगम्बर व ग्रन्थों की बातों को दूसरे से श्रेष्ठ मानते हुए उन पर थोपने का प्रयास भी करते हैं। धीरे-धीरे इनके अनुयायियों में श्रेष्ठता की यही ग्रन्थी केवल मजहबी उन्माद तक ही सीमित नहीं रहती बल्कि रहन-सहन, खान-पीन, भाषा-वाणी अर्थात जीवन के हर क्षेत्र को संक्रमित कर देती है। दूसरे को हीन समझ उस पर अपने विचार व आस्था लादने के लिए कोई करूसेड करता है तो कोई जिहाद। दुनिया में ईसाईयत व इस्लाम के नाम पर जो अत्याचार, हिंसा, खूनखराबा हुआ सभी इसी श्रेष्ठा की ग्रन्थी के संक्रमण के चलते हुआ। दूसरे की आस्था के प्रति असम्मान, हिकारत, तिरस्कार में ही आतंकवाद के बीज छिपे रहते हैं। मध्ययुग में ईसाईयत के नाम पर आतंकवाद फैला परन्तु पश्चिमी समाज में आई नवचेतना के चलते इसने रूप बदल कर सेवा व लालच का ले लिया परन्तु इस्लाम के प्रचार-प्रसार का अमानवीय ढंग निरंतर जारी रहा, जिसे आज इस्लामिक आतंकवाद कहा जाने लगा है। आज ईसाई मिशनरीज़ सेवा व लालच के बल पर धर्मपरिवर्तन करते हैं और जिहादी बंदूक की नोक पर, दोनों का लक्ष्य एक ही है कि अपने-अपने मजहबों की संख्या बढ़ाना चाहे साधन अलग-अलग हैं। इस्लामिक जिहाद की तरह अगर ईसाईयों की सेवा व प्रलोभन के प्रपंचों को भी आतंकवाद का नाम दे दिया जाए तो कोई विषयभटकाव नहीं होगा।

सामी मजहबों के विपरीत दूसरी विचारधारा है सनातन, जिसे हिन्दू धर्म भी कहते हैं। 'श्री अरविन्द की दृष्टि में हिन्दू धर्म और सामी मजहब' पुस्तक में महर्षि अरविन्द कहते हैं-''जिस धार्मिक संस्कृति को हम आज हिन्दू धर्म के नाम से पुकारते हैं उसने अपना कोई नाम नहीं रखा, क्योंकि उसने स्वयं अपनी कोई साम्प्रदायिक सीमा नहीं बांधी। उसने सारे संसार को अपना अनुयायी बनाने का कोई दावा नहीं किया, किसी एकमात्र निर्दोष सिद्धांत की प्रस्थापना नहीं की, मुक्ति का कोई एक ही संकीर्ण पथ या द्वार निश्चित नहीं किया। वह कोई मत या पन्थ की अपेक्षा कहीं अधिक मानवआत्मा के ईश्वरोन्मुख प्रयास की एक सतत् विकासशील परम्परा है।'' सनातन का विचार है 'एकम सत विप्रा बहुधा वदन्ति' अर्थात सत्य एक है जिसे विद्वान उसे विभिन्न नामों से बुलाते हैं।

'अयं निज- परो वेति गणना लघुचेतसाम।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम।।

अर्थात तेरे-मेरे की भावना छोटे मन का प्रतीक है, उदारचित्त वालों के लिए तो सारी पृथ्वी ही एक परिवार है। सनातन धर्म मानता है तेरा धर्म तुझे मुबारक और मेरी आस्था मुझे। दोनों की मार्ग श्रेष्ठ हैं। मार्ग अलग-अलग हैं परन्तु सभी की मंजिल एक है, जैसे सभी नदियां अंतत- एक समुद्र में विलीन हो जाती हैं उसी तरह सभी पथ उसी एक मंजिल पर ही मिलते हैं। यही भावना है जो हिन्दू को आतंकवादी बनने से रोकती है। इतिहास साक्षी है कभी भारत ने तलवार के जोर पर न तो किसी के भू-भाग को कब्जाया और न ही दूसरे पर अपना धर्म या विचार थोपा। इसी सर्वसमावेशी व सर्वपन्थ समादर भाव वाली जीवन शैली के आधार पर ही अमित शाह ने राज्यसभा में डंके की चोट पर दावा किया कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल की बागमती नदी में डूबा भारतीय युवक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की बागमती नदी में एक भारतीय युवक डूब गया। युवक का शव रविवार को दक्षिणी तराई क्षेत्र के एक सिंचाई नहर से बरामद किया गया। द हिमालयन टाइम्स ने स्थानीय पुलिस के हवाले से बताया कि बिहार के खगड़िया जिले के रहने वाले रोहित कुमार सिंह (30) ने शनिवार को चंद्रपुर नगर पालिका के नूनथार में शराब के नशे में नदी में स्नान के लिए प्रवेश किया था। इसके थोड़ी देर बाद लापता हो गया था। रौतहट के पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार राय ने बताया कि सशस्त्र पुलिस बल की आपदा प्रतिक्रिया इकाई और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार सुबह करीब 10.25 बजे रोहित का शव रौतहट जिले के गुजरा नगरपालिका स्थित बागमती सिंचाई नहर से बरामद किया और परिजनों को सौंप दिया।

चिली में ढही हुई खदान में फंसे चार खनिकों के शव बरामद

सैंटियागो, एजेंसी। चिली की सबसे बड़ी तांबे की खदानों में से एक के ढहे हुए हिस्से में तीन दिनों से फंसे पांच खनिकों में से चार के शव मिल गए हैं। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मृतकों की पहचान कर ली गई है। राजधानी सैंटियागो से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में स्थित एल टेनिएंटे खदान के बचावकर्मी अभी भी पांचवें खनिक की तलाश कर रहे हैं, जिसकी पहचान मोइसेस पावेज के रूप में हुई है। जीपीएस उपकरणों की मदद से फंसे हुए खनिकों का पता लगाया गया, लेकिन बचावकर्मियों को उन तक पहुंचने के लिए दर्जनों मीटर गहरी चट्टान खोदनी पड़ी।

मोंटाना में चार लोगों का संदिग्ध हत्यारा पूर्व अमेरिकी सैनिक अभी भी फरार

हेलेना, एजेंसी। मोंटाना के एक बार में चार लोगों की हत्या का संदिग्ध पूर्व अमेरिकी सैनिक अभी भी फरार है। अधिकारियों ने बताया कि वह कपड़ों और कैंपिंग के सामान से भरी एक चोरी की गाड़ी में भाग गया था, उसके पास हथियार होने की आशंका है। अधिकारियों का मानना है कि 45 वर्षीय माइकल पॉल ब्राउन ने शुक्रवार सुबह मोंटाना के एनाकोंडा स्थित द आउल बार में चार लोगों की हत्या कर दी। यह बार मिसौला से लगभग 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में पहाड़ों से घिरी एक घाटी में स्थित है। मोंटाना के अटॉर्नी जनरल ऑस्टिन नुडसेन ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ब्राउन ने एक राइफल से गोलीबारी की, जिसके बारे में कानून प्रवर्तन अधिकारियों का मानना है कि वह उसका निजी हथियार था। पीड़ितों की उम्र 59 से 74 वर्ष के बीच थी और उनमें एक महिला बारटेंडर और तीन पुरुष ग्राहक शामिल थे।

अमेरिकी खुफिया निदेशक से मिले भारतीय दूत क्वात्रा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ घमासान के बीच भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। दोनों के बीच आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर सार्थक बातचीत हुई। क्वात्रा ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, डीएनआई तुलसी गबार्ड और उनके पति अब्राहम विलियम्स से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमने आपसी हितों के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। शनिवार को भारत ने अमेरिका में आठ और वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र (आईसीएसी) खोले थे।

न्यूजीलैंड में सूटकेस में बंद मिली दो साल की बच्ची, महिला गिरफ्तार

वेलिंगटन, एजेंसी। रविवार को न्यूजीलैंड की एक महिला को बाल उपेक्षा के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बस चालक को बस के सामान डिब्बे में रखे एक सूटकेस में दो साल की बच्ची जिंदा मिली। पुलिस ने एक बयान में बताया कि ऑकलैंड के उत्तर में कैवाका बस्ती में एक निर्धारित स्टॉप के दौरान, जब बस चालक ने बस में रखे एक बैग के अंदर हलचल देखी। इसके बाद सूटकेस को खोला गया, तो उन्हें दो साल की बच्ची मिली।

यूक्रेनी सेना में महिलाओं की संख्या दोगुनी हुई

कीव, एजेंसी।
यूक्रेन और रूस युद्ध के बीच यूक्रेन की सेना में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। बीते साढ़े तीन साल में सेना में महिलाओं की संख्या बढ़कर एक लाख हो गई है। फिलहाल यूक्रेनी सेना में कुल 10 लाख सैनिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद महिलाएं सेना में शामिल होने के ?लिए खुद आगे आ रही हैं। सशस्त्र बलों की सलाहकार ओक्साना ग्रिगोरिएवा बताती हैं कि रूस के खिलाफ फिलहाल साढ़े पांच हजार महिलाएं सीधे मोर्चे पर हैं। ये महिलाएं ड्रोन से लेकर सीधे मोर्चे पर तोपें संभाल रही हैं। इसके अलावा ये मेडिकल सपोर्ट, फ्रंटलाइन ट्रांसपोर्ट जैसी ड्यूटीज भी निभा रही हैं। बता दें कि 2022 में रूस के आक्रमण से पहले सेना में 15त्न महिलाएं थीं। अब उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। ग्रिगोरिएवा कहती हैं कि सैन्य स्कूलों और कॉलेजों में अब 20त्न छात्राएं हैं, जो बड़ा बदलाव है।

ब्रिगेड में पुरुषों से भी ज्यादा मजबूत महिला सैनिक अलीना: पूर्व पेशेवर हेप्टाथलीट अलीना शुख ने शुरू में प्रतिष्ठित अजोव ब्रिगेड में भर्ती होने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बताया गया कि उनके लिए कोई पद नहीं है। इसके बाद वे खर्टिया ब्रिगेड में शामिल हुईं। शुख कहती हैं कि वह अपनी ब्रिगेड में ज्यादातर पुरुष सैनिकों से मजबूत हैं। वहीं, तोपखाने की कमांडर ओल्हा बिहार कहती हैं कि टेक्नोलॉजी युद्ध को बदल रही है। अब सबसे अच्छा सैनिक ड्रोन पायलट हो सकता है, जिनकी उगलियां तेज चलती हैं। वे कहती हैं कि मुझे उम्मीद है कि मैं एक दिन रक्षा मंत्री बनूंगी।

महिलाओं को युद्ध में नई भूमिका दिलाने की कोशिश: इनविजिबल बटालियन के एक रिसर्च प्रोजेक्ट में मदद करने वाली मारिया बर्लिंस्का रूस के शुरुआती आक्रमण के बाद से महिलाओं के लिए ज्यादा भूमिकाएं खोलने की कोशिश कर रही हैं। वे बताती है, हर युद्ध ने तकनीकी प्रगति और महिलाओं की आजादी को बढ़ावा दिया है। कई महिलाएं कानून के बावजूद लड़ाई में हिस्सा ले रही थीं, जिसमें वे कुक और क्लीनर के रूप में रजिस्टर होती थीं। हालांकि, महिलाओं को भर्ती करने पर कोई राजनीतिक बहस नहीं हुई है। थिंक-टैंक फ्रंटियर इंस्टीट्यूट के येवगेन ह्लिबोवित्स्की कहते हैं कि यह जोखिम भरा हो सकता है।

अब ड्रोन कमांडर की जिम्मेदारी भी संभाल रहीं महिला सैनिक: महिला कमांडर ट्विग यूक्रेनी सेना की पांच सदस्यों वाली एक महिला ड्रोन यूनिट का हिस्सा हैं। वे अपनी पांच महिला दोस्तों के साथ एक कैफे में रुकती हैं और मोइतो ऑर्डर करती है। वहीं, इस कैफे से कुछ दूर तोपों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही है। ट्विग की साथी टाइटन कहती हैं कि किलिंग शब्द का अर्थ हत्या है, जो गलत है। वह अपने काम को रशियन का सफाया कहना पसंद करती हैं। यूक्रेन सेना की सैनिक मारिया बर्लिंस्का कहती हैं कि ड्रोन उड़ाने में लड़का-लड़की का अंतर मायने नहीं रखता।

जापान-सागर में चीन और रूस का सीक्रेट मिलिट्री रिहर्सल शुरू

मॉस्को, एजेंसी। रूस के निकट दो परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा पर रूस ने कुछ नहीं कहा है लेकिन उसने चीन के साथ मिलकर नौसैनिक अभ्यास कर रहे हैं। यह नौसैनिक अभ्यास रूस और चीन के मध्य के जापान सागर में हो रहा है। यह जानकारी रूसी नौसेना के प्रशांत महासागर बेड़े ने दी है। विदित हो कि युद्धपोतों की संख्या के लिहाज से चीन की नौसेना इस समय विश्व की सबसे बड़ी नौसेना है। ट्रंप ने परमाणु पनडुब्बी की तैनाती की घोषणा पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के बयान के जवाब में की है। मेदवेदेव ने ट्रंप को रूस को प्रतिबंधों की धमकी देने से बाज आने के लिए कहा था। ट्रंप की घोषणा से पूर्व ही घोषित रूस-चीन के नौसैनिक अभ्यास में खासतौर पर तोपखाने और पनडुब्बी मारक क्षमताओं का प्रदर्शन हो रहा है। इस अभ्यास में रूस की बड़े आकार की पनडुब्बियां और चीन का विध्वंसक बेड़ा भाग ले रहा है। अभ्यास में दोनों देशों की डीजल और बिजली चालित पनडुब्बियां भी भाग ले रही हैं। इस अभ्यास को मैरीटाइम इंटरेक्शन-2025 नाम दिया गया है। यह अभ्यास मंगलवार तक चलेगा। विदित हो कि रूस और चीन ने 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले असीमित सहयोग वाले रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। उसी के तहत बीते साढ़े तीन वर्षों में दोनों देशों ने कई सैन्य अभ्यास किए हैं।

रूस ने बनाया दुनिया का पहला एंटी ड्रोन मिसाइल सिम्युलेटर

मॉस्को , एजेंसी।
रक्षा के क्षेत्र में रूस ने एक और बड़ा कीर्तिमान हासिल कर लिया है। रूस के दक्षिणी संघीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने दुनिया का पहला प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म सिम्युलेटर तैयार किया है, जो एंटी ड्रोन राइफल्स और ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम के साथ काम करने में मदद करेगा।

अब सवाल यह है कि आखिर यह सिम्युलेटर प्लेटफॉर्म है क्या? दरअसल यह एक वर्चुअल युद्ध का परिदृश्य तैयार करता है, जिसका वातावरण युद्ध जैसा ही लगता है। यह ड्रोन के प्रशिक्षण में काफी काम आता है।

ड्रोन की नई तकनीकी को समझने और युद्ध में ड्रोन के बेहतर इस्तेमाल के लिए इस तरह का प्रशिक्षण दिया जाता है। उदाहरण के लिए एंट्री ड्रोन गन, डिटेक्टर और ड्रोन्स को युद्ध में कैसे इस्तेमाल करना है? यह सबकुछ इस सिम्युलेटर प्लेटफॉर्म की मदद से सीखा जा सकता है।

बेशक यह सिम्युलेटर युद्ध की वर्चुअल दुनिया बनाता है, लेकिन यह दिखने में काफी हद तक असली युद्ध जैसा ही लगता है। इसे बनाने के लिए गेम इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसका मकसद ट्रेनिंग को जितना मुमकिन हो सके उतना रियल बनाना है, जिससे असली युद्ध में इन तकनीकों का सटीक इस्तेमाल किया जा सके।

इस प्रोग्राम की मदद से सैनिकों में युद्ध के वास्तविक कौशल का विकास होता है।

एंटी ड्रोन राइफल का सही तरह से इस्तेमाल किया जा सकेगा। युद्ध में डिटेक्टर्स को बेहतर तरीके से ऑपरेट किया जा सकेगा।

युद्ध के तनाव युक्त माहौल में जल्दी और सही फैसला लेने की क्षमता का विकास होगा। इस प्रणाली का सिर्फ प्रैक्टिकल ही नहीं बल्कि थ्योरी वाला हिस्सा भी है, जिसका टेस्ट भी करवाया जाएगा। इस दौरान सैनिकों को वीडियो और वास्तविक युद्ध का प्रशिक्षण देते हुए सिखाया जाएगा कि कम समय में सही फैसला कैसे लेना है।

गोल्फ कोर्स में बैठे थे डोनाल्ड ट्रंप, अचानक प्लेन ने कर दी घुसपैठ; सुरक्षा में सेंध के बाद अधिकारियों के फूले हाथ-पांव

वाशिगटन एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया है। रविवार को एक सिविलियन विमान ट्रंप के न्यू जर्सी स्थित गोल्फ क्लब के ऊपर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुस गया। फॉक्स न्यूज की खबर के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 12:50 बजे हुआ, जब एक पायलट ने बेडमिंस्टर में ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के ऊपर लगाए गए अस्थायी उड़ान प्रतिबंध को तोड़ दिया और घुसपैठ कर दी। इसके बाद नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने तुरंत हरकत में आते हुए फाइटर जेट्स को गोल्फ कोर्स की ओर रवाना किया। इन जहाजों ने चेतावनी के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया और घुसपैठिए प्लेन को प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकाला। दिन में दूसरी बार टूटी हवाई सीमा

यह घुसपैठ रविवार को दूसरी बार हुआ। गौरतलब है कि पूरे सप्ताह में प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में पांच बार अनधिकृत घुसपैठ हुई है।

ये प्लेन तब उस जोन में घुसा जब ट्रंप उस वक्त अपने गोल्फ क्लब में मौजूद थे, जैसा कि उनके सार्वजनिक शेड्यूल में दर्ज था। वह रविवार शाम को व्हाइट हाउस लौटने वाले थे। इस घटना पर व्हाइट हाउस की ओर से अभी कोई बयान नहीं आया है। ट्रंप के जनवरी में दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ गई हैं। जुलाई में, एनओआरएडी ने एक ही दिन में बेडमिंस्टर के ऊपर पांच अलग-अलग विमानों को रोका था। मार्च में भी फ्लोरिडा के मार-ए-लागो, जो ट्रंप का लग्जरी रिसॉर्ट और निवास है, के पास ऐसा ही वाकया हुआ था। एनओआरएडी ने अपने बयान में कहा, स्न के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र के नियमों का पालन करना हर पायलट के लिए जरूरी है, चाहे वह किसी भी इलाके में हो या कोई भी विमान उड़ा रहा हो। कमांड ने सभी पायलटों से अपील की है कि वे उड़ान से पहले सभी नोटिफिकेशन चेक करें और प्रतिबंधित क्षेत्रों से बचें।

पाक में बाढ़ ने मचाया तांडव, 299 लोगों की जान गई

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान के कई हिस्सों में इस समय बाढ़ का कहर देखने को मिल रहा है। पड़ोसी मुल्क में जून के अंत से लेकर अभी तक बाढ़ के कारण 299 लोगों की जान गई। इसके अलावा 700 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 140 बच्चे शामिल हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने इस बात की जानकारी दी है। एनडीएमए ने कहा कि 26 जून से शुरू हुई बाढ़ ने पूरे देश में तबाही का मंजर छोड़ दिया है।

पाकिस्तान समाचार पत्र द डॉन के अनुसार, पाकिस्तान के कई हिस्से इस समय बाढ़ की त्रासदी झेल रहे हैं। सरकारी जानकारी के मुबाबिक, भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान

पहुंचाया है। इसमें 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 400 से अधिक पशुओं की भी जान गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एनडीएमए ने पुष्टि की है कि उसने 223 बचाव अभियान चलाए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 2,880 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला है। बताया जा रहा है कि राहत कार्यों में 13,400 से ज्यादा जरूरी वस्तुओं का वितरण शामिल है, जिनमें 2,000 टेंट, 958 कंबल, 569 रजाईयां, 613 गद्दे और 1,100 से ज्यादा खाने के पैकेट शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के कई हिस्सों में अभी भी बाढ़ का कहर देखने को मिल रहा है। इन क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है। वहीं, पाकिस्तान के मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले 4 से 6 अगस्त के बीच देश के उत्तरी क्षेत्रों में बारिश की संभावना है।

इजरायली बंधकों को सहायता देने को हमास तैयार

काहिरा, एजेंसी।
गाजा में अभी भी कई इजरायली हमास के चंगुल में फंसे हुए हैं, जिनकी स्थिति काफी दयनीय हो चली है। हमास ने पिछले दिनों ऐसे ही बंधकों की दयनीय हालत बयां करता एक वीडियो साझा किया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय जगत में तीखी आलोचना हुई थी। अब हमास ने रविवार को कहा कि अगर इजरायल उसकी कुछ शर्तें पूरी करता है, तो वह गाजा में इजरायली बंधकों को सहायता पहुँचाने के लिए रेड क्रॉस के साथ समन्वय करने को तैयार है। हमास ने कहा कि वह रेड क्रॉस के साथ कोई भी सहयोग और समन्वय तभी करेगा, जह इजरायल गाजा पट्टी में स्थायी तौर पर मानवीय गलियारों को खोलेगा और वहां राहत और राशन वितरण के दौरान हवाई हमले रोकेगा।

इजरायली अधिकारियों के अनुसार, गाजा में अभी भी 50 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से केवल 20 के ही जीवित होने की संभावना है। हमास ने अब तक ह्यूमन राइट संगठनों को इन

बंधकों तक किसी भी तरह की पहुँच से रोक रखा है और परिवारों को उनकी स्थिति के बारे में बहुत कम या कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि शनिवार को, हमास ने दो दिनों में इजरायली बंधक एव्यातार डेविड का दूसरा वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में, डेविड, दीन-हीन दशा में दिख रहा था। वह सिर्फ हड्डियों का कंकाल भर नजर आ रहा था।

ट्रंप ने गाजा में इजरायल के हमलों का बचाव किया

अमेरिका, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में इजरायल के हमलों का बचाव किया है। उनका कहना है कि गाजा में इजरायल के हमले नरसंहार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 7 अक्तूबर को इजरायल में बहुत बुरा हुआ था। हमास के आतंकियों ने वहां तबाही मचा दी थी और उसी के नतीजे में गाजा में जंग हो रही है। इस तरह उन्होंने गाजा में जारी इजरायल के हमलों का बचाव किया। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से पूछा था कि क्या आप भी मानते हैं कि गाजा में जो हो रहा है, वह नरसंहार है। इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं ऐसा नहीं मानता। वे जंग में हैं।

उन्होंने एक बात यह भी कही कि अमेरिका की ओर से फिलिस्तीन के लोगों को भुखे नहीं मरने दिया जाएगा। हम उन्हें राशन मुहैया करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम चाहते हैं कि लोगों को खाना मिले। इजरायल वहां सहायता मुहैया कराए। हम नहीं चाहते कि वहां कोई

भुखमरी से मर जाए। इस तरह डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल का बचाव किया है तो वहीं सहायता भी मुहैया कराने की बात कही है। गौरतलब है कि यूरोपीय देश फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी की ओर से इजरायल से अपील की गई है कि वह सीजफायर कर दे। यही नहीं फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात भी इन देशों ने कही है।

इस बीच फिलिस्तीन में 92 लोग फिर से एक ही दिन में मारे गए हैं। इन लोगों की मौत रविवार को हुई, जिनमें से 56 लोग तो सहायता का इंतजार कर रहे थे। दरअसल गाजा में हालात ऐसे हैं कि भुखमरी से मौतों का भी डर है। गाजा पट्टी में राशन तक की किल्लत है और दवाओं के लिए भी लोग परेशान हैं। अरब मीडिया के अनुसार इन मौतों में 6 लोग ऐसे हैं, जिनकी भूख के चलते मौत हुई है। अरब न्यूज के अनुसार गाजा में अब तक 175 लोग खाने की कमी से मर गए हैं। इनमें 93 मासूम बच्चे शामिल हैं। बता दें कि गाजा में भुखमरी के हालात के बाद भी हमास सीजफायर के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। उसने अब तक हथियार डालने के संकेत भी नहीं दिए हैं।

दिग्गज कंपनी बोइंग में काम ठप, हड़ताल पर चले गए फाइटर जेट्स बनाने वाले कर्मचारी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। एविएशन दुनिया की दिग्गज कंपनी बोइंग से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। दरअसल, बोइंग डिफेंस के करीब 3000 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। यही अमेरिकी कंपनी एफ-35 और अन्य कई मिलिट्री विमान बनाती है। जानकारी के अनुसार, ये कर्मचारी वेतन, वर्क शेड्यूल और पेंशन से जुड़े ऑफर को लेकर खुश नहीं थे। इसी बात का विरोध जताने के लिए कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। इससे कंपनी पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। वहीं, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स यूनियन ने रविवार को बताया कि सेंट लुइस, सेंट चार्ल्स, मिसौरी और मस्काउटा, इलिनोइस स्थित बोइंग संयंत्रों के लगभग 3,200 कर्मचारियों ने बोइंग के साथ संशोधित चार-वर्षीय श्रम समझौते को अस्वीकार करने के लिए मतदान किया।

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते घने काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था।

रूस ने यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराने का दावा किया

रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए। हालांकि, रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए।

दूसरी तरफ रूस भी लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं। इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे। इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे।

रामलला दर्शन योजना से जिले के 51 श्रद्धालु हुए लाभान्वित

कोंडागांव से अयोध्या धाम के लिए तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

कोंडागांव। राम लला दर्शन योजना के अंतर्गत कोंडागांव जिले से 51 श्रद्धालुओं का एक दल अयोध्या धाम के लिए मंगलवार की रात रवाना हुआ। श्रद्धालुओं के इस दल को कोंडागांव नगर के अंबेडकर चौक से रात्रि 9 बजे हरी झंडी दिखाकर बस्तर प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने रवाना किया। इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना प्रदेशवासियों को अध्यात्मिक सशक्तीकरण और रामभक्ति से जोड़ने का एक ऐतिहासिक प्रयास है, जो मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदृष्टि और जनकल्याणकारी सोच का परिणाम है। श्रद्धालुओं का यह जत्था बस द्वारा राजनांदगांव तक की यात्रा करेगा, इसके पश्चात ट्रेन से अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान करेगा। जत्थे में शामिल श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन को लेकर अत्यंत उत्साहित और भावविभोर नजर आए। सरगी पाल, कोंडागांव निवासी ननकी वैष्णव, जो अपने पति के साथ यात्रा पर निकली हैं, भावुक होते हुए कहती हैं, यह मेरा पहला तीर्थयात्रा है और पहली ही बार में रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिल रहा है। मैं बहुत खुश हूँ। अभी राखी का पर्व है, फिर भी इस यात्रा पर जा रही हूँ क्योंकि राखी हर साल आएगी, लेकिन रामलला के दर्शन का अवसर बार-बार नहीं मिलता। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी की बहुत आभारी हूँ। जोहन बैद्य, ग्राम पेंड्रावन, ब्लॉक बड़ेराजपुर से यात्रा पर निकले श्रद्धालु कहते हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन का मौका मिलेगा। यह सब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की पहल से संभव हो पाया है। मैं उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। इसी प्रकार मसोरा निवासी उले चंद पटेल ने भी रामलला के दर्शन को अपना सौभाग्य बताते हुए कहा, यह यात्रा मेरे जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। भगवान राम के दरबार में हाजिरी देना हर भक्त का सपना होता है, और यह सपना मुख्यमंत्री जी की इस योजना के माध्यम से पूरा हो रहा है। फरसगांव की मीना देवी ने भी अपने भाव साझा करते हुए कहा, यह यात्रा मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से ही संभव हुई है। हम सभी तीर्थयात्रियों को उनके प्रति आभार प्रकट करना चाहिए जिन्होंने हमें यह दुर्लभ अवसर दिया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा राम लला दर्शन योजना के माध्यम से राज्य के हजारों श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा कराने की पहल की गई है।

योजना का उद्देश्य नागरिकों को धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करना है।

स्कूल के बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने की विभिन्न जानकारी दी गई

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक कोंडागांव वाय अक्षय कुमार के आदेशानुसार एवं मान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंडागांव कौशलेन्द्र देव पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस फरसगांव अभिनव उपाध्याय के निर्देश पर सावन के शुभ अवसर मे शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल उरंदाबेडा, बोंगा पाल, बालिका छात्रावास उरंदाबेडा आत्मनन्द इंग्लिश एवं हिंदी माध्यम स्कूल कोनगूड द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया, साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उरंदाबेडा के संदीप द्वारा बच्चों एवं जनप्रतिनिधि तथा शिक्षक शिक्षिका तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को विभिन्न जानकारी दी गई, साथ ही यातायात नियमों का पालन करने कार चलाते सीट बेल्ट एवं बाइक चलाते हेलमेट का प्रयोग करने 18 वर्ष पूर्ण होने पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवा वाहन चलाने समझाया गया,साइबर अपराध की जानकारी दी गई, साथ ही चलित थाना भी लगाया गया एवं विभिन्न जानकारी दी गई, बाद कार्यक्रम के सभी को भोजन खिलाया गया, इस अवसर पर थाना इलाका हाजा के जनप्रतिनिधि शिक्षक शिक्षिका स्वास्थ कर्मी पत्रकार बंधु, आम नागरिक मौजूद थे। उक्त कार्यक्रम देख एव जानकारी सुनकर सभी प्रभावित हुए।

'बने खाबो, बने रहिबों' अभियान के तहत होटलों और मिष्ठान भंडारों की जांच

कोण्डागांव। राज्य शासन के निर्देशानुसार संचालित 'बने खाबो, बने रहिबो'. जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला कोण्डागांव द्वारा शहर के विभिन्न मिष्ठान भंडारों एवं होटलों का निरीक्षण किया गया। यह अभियान वर्षा ऋतु में खाद्य जनित बीमारियों एवं संक्रमण की रोकथाम को लेकर आम नागरिकों को जागरूक करने हेतु चलाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मिठाई विक्रेताओं और होटल संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों द्वारा अखबारी कागज के उपयोग से होने वाले नुकसान, एक ही तेल को बार-बार गर्म कर उपयोग करने के दुष्प्रभाव, खाद्य सामग्रियों के उचित रख-रखाव, फूड हैंडलर्स की व्यक्तिगत स्वच्छता एवं वर्षा ऋतु में बरती जाने वाली विशेष सावधानियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। सभी प्रतिष्ठानों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए भी कहा गया। इस दौरान शानू होटल पलारी से कलाकंद और खोबा बर्फी, सेठिया होटल से दी लड्डू तथा चौधरी स्वीट्स से सलोनी और गुजिया मिठाई का नमूना संग्रहित कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है, जहां इनकी गुणवत्ता की जांच की जाएगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अमानक, संदिग्ध या खुले में बिक रही खाद्य सामग्री को न खरीदें और खाने से पहले उसकी गुणवत्ता को लेकर सजग रहें। यदि किसी प्रकार की शंका हो, तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें।

राष्ट्रीय राजमार्ग 130 का नव निर्मित पुल बनते ही ढह गया उसकी गुणवत्ता पर संबंधित अधिकारियों ने साधी चुप्पी

कोण्डागांव। बहुप्रतीक्षित कोण्डागांव-नारायणपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के निर्माणाधीन सड़क निर्माण के नवनिर्मित पुल के बनते ही ढह जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। और ग्रामीणों ने जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। यह सड़क एक ओर जहां अबूझमाड़ के घने जंगलों में बसे गांवों को देश की मुख्यधारा से जोड़ेगी, वहीं दूसरी ओर इसके निर्माण में जिस स्तर की अनियमितताएं उजागर हो रही हैं। उससे साफ जाहिर हो रहा है कि कहीं ना कहीं अधिकारियों और मेसर्स गणेश प्रसाद खेतान नामक एजेंसी की मिली भगत है। जिससे मंत्री नितिन गडकरी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आदेशों और जारी किए गए नियमों की अवहेलना कर निर्माण कार्य में मनमानी की जा रही है। बता दे पायनियर राष्ट्रीय अखबार ने 24मई को प्रमुखता से ÷केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी के सख्त निर्देश के बावजूद बस्तर में हो रहा सड़क निर्माण मैं लापरवाही नामक खबर प्रकाशित कर पहले ही कुंभकर्णी नींद में सो रहे अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। इस परियोजना की कुल लंबाई 48 किलोमीटर है, जिसे 147.70 करोड़ की लागत से मेसर्स गणेश प्रसाद खेतान नामक एजेंसी के माध्यम से निर्मित किया जा रहा है। निर्माण में 69 पुलिया और 10 माइनर पुल शामिल हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि निर्माण स्थलों पर तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही है। इसके बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग विभागीय अमला की विशेष मेहरबानी कहें या निर्माण एजेंसी मेसर्स गणेश प्रसाद खेतान नामक एजेंसी के साथ सांठ गांठ जिससे उक्त ठेकेदार पर कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।

प्रशासनिक अमले की उदासीनता संदेह के दायरे में : ग्रामीण

नवनिर्मित कोण्डागांव से नारायणपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाया जा रहा पुल तैयार होने से पहले ही ढह गया है, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बताया जा रहा है कि इसे बनाने में बेकार सामाग्री का इस्तेमाल किया गया है, नवनिर्मित पुल पहली ही बारिश में ढह गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासनिक अमले की उदासीनता पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत से बेकार क्वालिटी की सामाग्री के कारण यह पुल तैयार होने से पहले ही टूट कर गिर गया, अभी तक अधिकारियों द्वारा ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जिससे प्रशासनिक अमला संदेह के दायरे में है।

प्रशासन की जिम्मेदारी गुणवत्ता की जांच : सरपंच

हेम कोर्राम सरपंच ग्राम कुम्हार पारा ने बताया कि इसे पूरे निर्माण कार्य में जांच की आवश्यकता है। शासन प्रशासन को इस घटना की जांच करनी चाहिए साथ ही निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। पुल की गुणवत्ता की जांच करनी चाहिए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। यदि पुल की उच्चस्तरीय जांच नहीं की गई तो शासन प्रशासन का विरोध करते हुए धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

जिम्मेदार अधिकारियों ने साधा मौन डिस्मेंटल की करेंगे कार्यवाही : एसडीओ

जीवन नेताम अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग उप - संभाग कोण्डागांव ने बताया कि ज्यादा पानी गिरने के कारण कटाव से स्लैब गिर गया है। अब हम डिस्मेंटल की कार्यवाही कर पुनर्निर्माण करेंगे।

जिम्मेदार अधिकारी प्रज्ञा नंद ईई ने साधी चुप्पी

इस पूरे मामले पर संबंधित अधिकारी प्रज्ञा नंद कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग कोण्डागांव मौन चुप्पी साधकर जवाब देने से भागते नजर आ रही है। ना तो यह स्थानीय कोण्डागांव कार्यालय में उपस्थित होती है। और ना ही इनके द्वारा मोबाइल रिसीव किया जाता हैं। इनको वॉट्सएप पर अपना परिचय देते हुए, लिखित जानकारी देने के बाद इनका पक्ष जानने की कोशिश की गई है। लेकिन इनका मैसेज रीड करने के बाद भी कोई जवाब नहीं देना। उक्त निर्माण कार्य के प्रति इनकी असंवेदनशीलता को दर्शाता है, और इससे यह तो साफ होता है, कि बस्तर के भोले भाले आदिवासियों से इनका कोई सरोकार नहीं है।

किरंदुल में महिलाओं ने निकाली कांवड़ यात्रा, किया जलाभिषेक

किरंदुल। श्रावण माह के पावन अवसर पर किरंदुल वार्ड क्रमांक 02 उड़िया कैम्प स्थित केदारनाथ शिव समिति के महिलाओं ने बुधवार दोपहर 12 बजे केदारनाथ मंदिर से कांवड़ यात्रा निकाला और रामाबूटी स्थित शिवालय में जलाभिषेक किया। तत्पश्चात पुनः केदारनाथ मंदिर पहुंच पूजा अर्चना व आरती कर कावड़ यात्रा का समापन किया गया।

कोंडागांव जिले में विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

कोंडागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश एवं डीपीओ अवनी कुमार बिसवाल के मार्गदर्शन में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर मातृत्व और बाल स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने हेतु जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 7 अगस्त 2025 तक चलेगा। इसी क्रम में मंगलवार को उपस्वास्थ्य केन्द्र जामकोटपारा, कोपाबेड़ा, आंगनबाड़ी केन्द्र गिरोला बड़ेपारा तथा गिरोला आवासपारा में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में स्तनपान से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। गुणवत्तापूर्ण स्तनपान विषय पर चर्चा करते हुए माताओं को यह बताया गया कि शिशु के पहले छः महीनों तक केवल माँ का दूध ही सबसे संपूर्ण आहार है। कार्यक्रम में शिशु दूध के विकल्प, बोतल से दूध पिलाने के दुष्परिणाम और पूरक आहार से जुड़े विषयों पर भी जानकारी दी गई।

विशेष ध्यान इस बात पर दिया गया कि स्तनपान कराने वाली माताओं को सही मार्गदर्शन और समर्थन मिले, ताकि शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास में सुधार सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत भी एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें समाज में लैंगिक समानता और बालिकाओं की शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

किरंदुल गजराज कैंप प्राथमिक शाला में पालक बैठक का किया गया आयोजन

किरंदुल। किरन्दुल गजराज कैम्प स्थित शासकीय प्राथमिक शाला कोड़ेनार क्रमांक 01 में शासन की मंशानुसार बुधवार प्रथम पालक बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में वार्ड पार्षद देवकी ठाकुर समस्त पालक गण एवं शाला विकास समिती अध्यक्ष बालाराम साहू,सचिव उदयराम साहू उपस्थित रहें।शाला परिवार की ओर से स्कूल के प्रधान अध्यापक थलेश कुमार ठाकुर के नेतृत्व में सफल संचालन किया गया।शाला परिवार की ओर से पुष्पा साहू,आरती सिंह द्वारा उक्त बैठक में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।उक्त पालक बैठक में अकादमिक प्रगति -परीक्षा परीणाम बच्चों की जाति,आय,निवास प्रमाण पत्र बनवाना,नियमित रूप से स्कूल भेजना,गणवेश के साथ भेजना, पालको को भी बच्चों की नियमित दिनचर्या पर नजर रखने बात करने एवं शिक्षको को बताने के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

परिवहन सुविधा केंद्र शुरू करने के लिए दावा आपत्ति 14 अगस्त तक

कोण्डागांव। परिवहन सुविधा केन्द्र मार्गदर्शिका-2022 के अनुसार जिला कोण्डागांव में 12 परिवहन सुविधा केन्द्र स्थापित किया जाना है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि जिले में 12 परिवहन सुविधा केन्द्र में से 07 परिवहन सुविधा केन्द्र वर्तमान में संचालित हो रहे हैं एवं शेष 05 परिवहन सुविधा केन्द्रों को स्थापित किए जाने हेतु समाचार पत्र के माध्यम से सूचना का प्रकाशन कर 30 जुलाई 2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदनों की स्क्रुटनी पश्चात पात्र व अपात्र आवेदकों की सूची जिला परिवहन कार्यालय के सूचना पटल में चस्पा किया गया है। समस्त आवेदकों को सूचित किया जाता है कि उक्त पात्र व अपात्र सूची का अवलोकन जिला परिवहन कार्यालय के सूचना पटल में किया जा सकता है।

महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित

कोण्डागांव। शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन गरिमामयी वातावरण में किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख बिंदुओं पर विद्यार्थियों को जानकारी देने हेतु विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम सहित अनेक विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए नवप्रवेशित विद्यार्थियों का महाविद्यालय परिवार में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दीक्षारंभ कार्यक्रम केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को शिक्षण, अनुशासन, मूल्य एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति की मूल भावना से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने 2020 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए

बताया कि यह नीति विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जो न केवल ज्ञान के स्तर को बढ़ाएगी, बल्कि कौशल, मूल्य और व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध होगी। एनईपी संयोजक डॉ. किरण नुरूटी ने शब्दावली, क्रेडिट सिस्टम और करिकुलम फ्रेवर्क की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में मल्टी-डिसिप्लिनरी और मल्टी-एंट्री-एग्जिट सिस्टम को लागू किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को अधिक लचीलापन और अवसर मिलेंगे। उन्होंने क्रेडिट ट्रांसफर सिस्टम और 'डिजिटल अकादमिक बैंक' के बारे में जानकारी दी। डॉ. पुरोहित सोरी ने विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन और सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अब मूल्यांकन केवल परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षण प्रक्रिया का निरंतर हिस्सा बन जाएगा। इस प्रणाली से विद्यार्थियों की भागीदारी, प्रस्तुतीकरण, प्रोजेक्ट्स, असाइनमेंट और रचनात्मकता को भी महत्व मिलेगा। शोभाराम यादव ने अपने वक्तव्य में वैल्यू एडेड कोर्स और एबिलिटी एनहांसमेंट कोर्स की जानकारी देते हुए कहा कि यह कोर्सेस विद्यार्थियों के वैयक्तिक एवं व्यावसायिक कौशल को निखारने में सहायक होंगे।

'नियद नेल्ला नार' योजना से सुकमा में बह रही बदलाव की बयार

सुकमा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू माओवादी आत्मसमर्पण राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 और बस्तर संभाग के अंदरूनी गांवों के समग्र विकास के लिए विशेष रूप से संचालित 'नियद नेल्ला नार' योजना ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और विश्वास का नया मार्ग प्रशस्त किया है। इस योजना के कन्वर्जेंस के माध्यम से जिला प्रशासन सुकमा द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों को कौशल प्रशिक्षण, पुनर्वास एवं स्वरोजगार से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में सफलतापूर्वक जोड़ा जा रहा है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में चल रहे इस कार्यक्रम के अंतर्गत लाइवलीहुड कॉलेज एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में विभिन्न ट्रेड में निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि आत्मसमर्पित युवा और महिलाएं आर्थिक रूप से स्वावलंबी होकर समाज में सम्मानजनक जीवन जी सकें।

पुनर्वास केंद्र बना नई राह की शुरुआत - कोंटा विकासखंड की अनीता सोड़ी जैसी आत्मसमर्पित महिलाओं के जीवन में यह योजना नई दिशा लेकर आई है। अनीता बताती हैं कि पुनर्वास केंद्र ने हमें यह एहसास कराया कि शांति और सम्मान से भी जीवन जिया जा सकता है। सिलाई, कृषि समेत अन्य आजीविका प्रशिक्षणों ने हमारा आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब मैं स्वयं का सिलाई कार्य प्रारंभ कर परिवार को बेहतर भविष्य देना चाहती हूं। अनीता के साथ वेट्टी कन्नी, हड़मे माड़वी, कड़ती विज्जे समेत 6 आत्मसमर्पित महिलाएं लाइवलीहुड कॉलेज सुकमा में चल रहे एक माह के सिलाई प्रशिक्षण में हिस्सा ले रही हैं। 'सक्षम योजना' के अंतर्गत उन्हें 40 हजार से 2 लाख रुपये तक का ऋण 3% ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा तथा निःशुल्क सिलाई मशीन एवं प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। लाइवलीहुड कॉलेज में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 किशोरी बालिकाएं एवं महिलाएं हिस्सा ले रही हैं। इन्हें ब्लाउज, ड्रेस, स्कूल यूनिफॉर्म एवं शर्ट-पैंट की सिलाई की ट्रेनिंग दी जा रही है। साथ ही नोनी सुरक्षा योजना, महतारी वंदन योजना, सक्षम योजना, एवं महिला ऋण योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल भी की जा रही है, जिससे महिला सशक्तिकरण को नई गति मिल रही है। नियद नेल्ला नार योजना से बस्तर में विकास और विश्वास की बहार बह रही है। अब तक 79 आत्मसमर्पित माओवादियों को सिलाई, कृषि-नर्सरी, वाहन-चालन, राजमिस्त्री एवं उद्यमिता जैसे ट्रेड्स में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आगामी सप्ताह से 30 युवा राजमिस्त्री प्रशिक्षण के लिए आरसेटी में प्रशिक्षण लेंगे।

पुनर्वास केंद्र सुकमा में वर्तमान में 42 प्रशिक्षणार्थी है जिनमें 21 महिलाएं निवासरत हैं जिन्हें कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है। योजना के कन्वर्जेंस से युवाओं को मुख्यमंत्री कौशल विकास, सक्षम, पीएम स्वनिधि, स्टार्टअप, कृषि उद्यमिता और महिला ऋण योजनाओं से जोड़कर स्वरोजगार की राह दिखाई जा रही है जो बस्तर के अंदरूनी गांवों में रोजगार, सम्मान तथा विकास के नए युग का सूत्रपात कर रही है।

बुखार में खुद डॉक्टर न बनें

अगर आपके घर में किसी को बुखार आ जाए तो आप स्वयं डॉक्टर न बनें, बल्कि किसी अच्छे चिकित्सक को दिखाकर इलाज कराएं। मामूली लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है।

अक्सर हम बुखार को हल्के में लेते हैं और बाजार से कोई भी दवा ले आते हैं। नतीजतन हमारा बुखार कुछ समय के लिए उतर जाता है, मगर बाद में वही बुखार गम्भीर समस्या बनकर उभरने लगता है।

होते हैं साइड इफेक्ट

हालांकि बुखार सामान्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, जो कि क्रोसीन, पैरासिटामाल, एस्प्रिन जैसी दवाओं का सेवन करने से काबू में आ जाती है। मगर हम यह भूल जाते हैं कि इन दवाओं के कई साइड इफेक्ट भी होते हैं, जो विकराल रूप में सामने आते हैं। असल में कहने की बात यह है कि बुखार के प्रति हमारे मन में कई भ्रांतियां दशकों से बनी हुई है। परिणामस्वरूप बुखार की मुख्य वजह जाने बगैर हम बाजार से कोई भी दवा ले लेते हैं। यही कारण है कि हमें कुछ बिन बुलाई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बिना डॉक्टर के नहीं दे दवाएं

ध्यान रखें कि बुखार के समय किसी भी प्रकार की दवा लेने से पहले डॉक्टर से सम्पर्क जरूर करें। दरअसल हम पैरासीटामोल, एस्प्रिन, क्रोसीन जैसी दवाओं को बिना हिचक ले लेते हैं, जबकि विशेषज्ञ साफतौर पर कहते हैं कि ऐसे नहीं लेनी चाहिए। हर व्यक्ति का सामान्य शारीरिक तापमान अलग होता है। किसको कौन-सी दवा सूट करती है, इसका जानना बहुत जरूरी है।

रेज सिंड्रोम का खतरा

उदाहरण के तौर पर एस्प्रिन को लें। छोटे बच्चों में एस्प्रिन के कारण 'रेज सिंड्रोम' नामक जानलेवा बीमारी उत्पन्न हो सकती है। अगर आप हृदय संबंधी रोग, उच्च रक्तचाप, अल्सर या किडनी जैसी समस्याओं की चपेट में हैं, तो सिर्फ पैरासीटामाल का ही इस्तेमाल करें। यदि इससे राहत नहीं मिल रही है तो तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें। दूसरी दवाएं लेने से रक्तचाप बढ़ सकता है, अल्सर बिगड़ सकता है अथवा किडनी की स्थितियां बद से बदतर हो सकती हैं। इसके उलट लीवर रोग से ग्रस्त मरीजों को पैरासीटामाल से अच्छी खासी दूरी बना लेना चाहिए। इसके अलावा जान लें कि कोई भी दर्द निवारक गोली लीवर पर बुरा प्रभाव डालती है। इसलिए हल्का बुखार होने के बावजूद डॉक्टर से मिलें।

यहां यह जान लेना आवश्यक है कि महिलाओं के संदर्भ में बुखार की दवाओं से जितना दूर रहा जा सके बेहतर है। मेनोपॉज से पूर्व यानी ओवुलेशन की प्रक्रिया के दौरान महिलाओं का तापमान एक डिग्री ज्यादा हो जाता है। इससे कई बार महिलाओं को लगता है कि उन्हें बुखार है, जबकि ऐसा नहीं होता। नतीजतन महिलाएं कोई न कोई दर्द निवारक दवा का सेवन करती हैं, जो उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

गर्भवती महिलाओं को भी नुकसान

गर्भवती महिलाओं को भी बुखार की स्थिति में सिर्फ पैरासीटामाल का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अतिरिक्त अन्य दवाएं नुकसानदेह साबित होती हैं। यही नहीं उनका प्रसवकाल लम्बा भी खिंच सकता है। इसी तरह स्तनपान करा रही महिलाओं को भी ध्यान रखना चाहिए कि बुखार की स्थिति में एस्प्रिन नहीं लेनी चाहिए। एस्प्रिन बच्चों के हेतु बहुत खतरनाक दवा है। आपके एस्प्रिन लेने से शिशु को ब्लीडिंग या दूसरी समस्या हो सकती है। लोगों की धारण है कि बुखार होने पर हमें पूर्णतया बेडरेस्ट लेना चाहिए। जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि बुखार के चलते कमजोरी आना आम बात है, लेकिन इसके कारण बेडरेस्ट लेना मूर्खता है।

प्लास्टिक की प्लेट और बोतल के प्रयोग से हो रहीं ये बीमारियां

हमारे देश में प्लास्टिक का प्रयोग इतना ज्यादा होने लगा है कि यह हमारी दिनचर्या में हर रोज शामिल है। खान-पान से लेकर दूसरी अन्य चीजों को हम इधर से उधर ले जाने के लिए सबसे अच्छा विकल्प प्लास्टिक को मानते हैं। पर हमें इसकी कहीं न कहीं रोकथाम करने की बहुत ज्यादा जरूरत है। क्योंकि जिन प्लास्टिक की चीजों का हम प्रयोग करते हैं, वो हमारे आस-पास के वातावरण को सबसे ज्यादा दूषित करती हैं और ऐसे में हम अपनी सेहत से ही समझौता करते हैं।' ये कहना है सीनियर रेसीडेंट डॉक्टर शर्मा का। उन्होंने बातचीत में प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाले हानिकारक दुष्प्रभावों के बारे में बताया है। साथ ही लोगों को जितना जल्दी हो सके प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने की सलाह दी है।

बर्थ डिसऑर्डर का कारण है प्लास्टिक

डॉक्टर ने बताया प्लास्टिक हमारे पीने के पानी को प्रदूषित करता हैं, जहां से हम सांस लेते हैं वो वातावरण भी प्लास्टिक के कारण दूषित होता है। उन्होंने बताया जितनी भी प्लास्टिक की वस्तुएं होती हैं, वो टॉक्सिक सब्सटेंस से बने होती हैं जो कि मानव शरीर के लिए अच्छे नहीं है। इनमें लैड, सीसा, मरकरी और कैडवियम होता है, जिनके संपर्क में आने से हमें कई तरह की गंभीर बीमारियों का जोखिम होता है। साथ ही इसके डायरेक्ट संपर्क में आने से बर्थ डिसऑर्डर यानी मां से बच्चे को भी कुछ विकार होते हैं जिसका यंग एज में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ता है। आसान भाषा में कहें तो पैदा होते ही बच्चा बीमारी में जकड़ जाता है। प्लास्टिक हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को कमजोर करने के लिए पाया गया है।

प्लास्टिक में पाया जाता है जहरीला पदार्थ

प्लास्टिक बैगों को इस्तेमाल करने के बाद फेंक दिया जाता है, तो यह पर्यावरण के लिए गंभीर संकट बना हुआ है। ये पानी से लेकर भूमि को प्रदूषित करने के साथ ही पेड़-पौधों और फसलों की वृद्धि व उत्पादन को भी क्षति पहुंचा रहा है। ये बेजुबान जानवरों की जान का दुश्मन भी बना हुआ है। बकौल डॉक्टर, प्लास्टिक में सबसे घातक टॉक्सिन पाया जाता है, जिनका हम बॉटल और फूड पैकेजिंग मटेरियल में प्रयोग करते हैं। ये टॉक्सिन पानी को प्रदूषित करता है, फिर ये तालाब की मछलियों में जाता है और बाद में लोगों की आंत में पहुंचता है। इससे हमारे हेल्थ कंडीशन खराब होने शुरू होती है।

पल्मोनरी कैंसर का सबसे ज्यादा खतरा

प्लास्टिक में मौजूद टॉक्सिन से सबसे पहले व्यक्ति अस्थमा की समस्या से जूझता है जिसमें उसे सांस लेने में परेशानी होती है, और दूसरा है- पल्मोनरी कैंसर। जब भी प्लास्टिक को जलाते हैं जो उसमें से जहरीली गैस निकलती है जिसे हम इनहेल करते हैं और इससे पल्मोनरी कैंसर होने की सबसे ज्यादा संभावना होती है।

किडनी-लिवर डैमेज करता है प्लास्टिक

प्लास्टिक लिवर डैमेज भी करता है। वह बताते हैं कि जब हम उस फूड का सेवन करते हैं जिसमें प्लास्टिक की रैपिंग होती है और उसे काफी वक्त तक ऐसे ही रखते हैं तो इसके टॉक्सिक सब्सटेंस खाने में आ जाते हैं और जब हम खाते हैं तो सीधा लिवर में पहुंचते हैं। ये दूषित भोजन को हम सही से पचा नहीं पाते हैं जिससे वो लिवर या किडनी में रह जाता है।

डैमेज हो सकता है ब्रेन और नर्वस सिस्टम

इतना ही नहीं, हमें प्लास्टिक के इस्तेमाल से नर्व और ब्रेन डैमेज होने के बारे में भी बताया है। उनका कहना है लंबे समय तक खान-पान में प्लास्टिक का यूज करने से और इसके किडनी में पहुंचने से ब्रेन और नर्वस सिस्टम भी डैमेज हो सकता है। यही वजह है कि डॉ.प्लास्टिक वाली चीजों के प्रयोग न करने को कह रहे हैं।

प्लास्टिक के उपयोग को कैसे कम करें

आप प्लास्टिक की बोतलों की बजाए स्टेनलेस स्टील या कांच की बोतलों का उपयोग करना शुरू करें। नॉन-प्लास्टिक यानी स्टील के लंच बॉक्स में अपना खाना पैक करके ले जाएं। रसोई में अपने प्लास्टिक के कंटेनर और जार को कांच के जार से रिप्लेस करें।

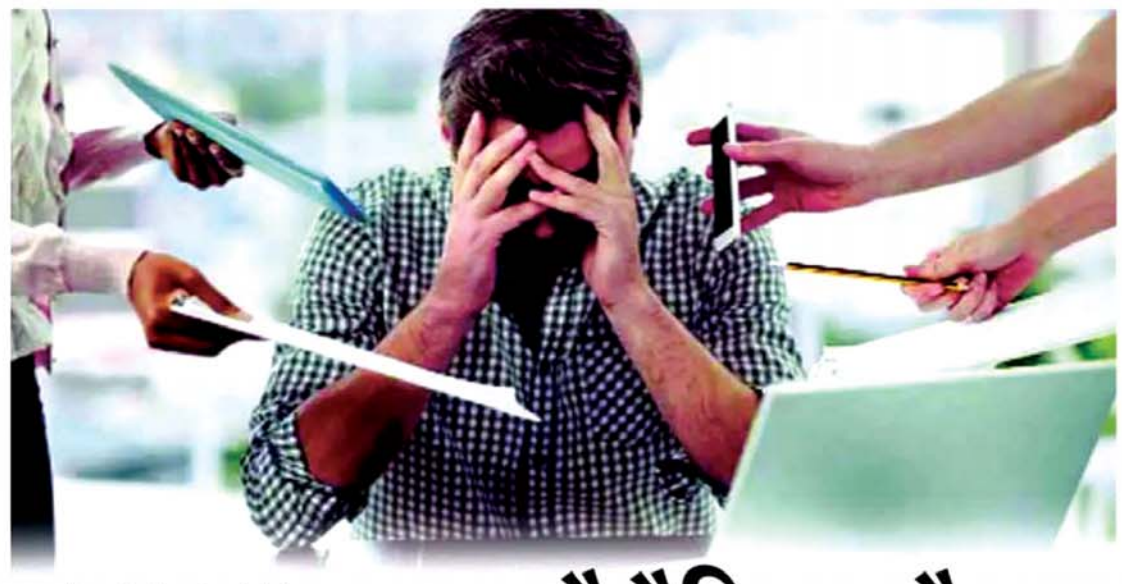

क्या है पैनिक अटैक? इसके संकेत और लक्षण

आपने 'हार्ट अटैक' के बारे में तो सुना होगा लेकिन 'पैनिक अटैक' के बारे में कम ही लोग जानते हैं। इन दिनों युवाओं और महिलाओं में यह खूब देखा जा रहा है। आइए आपको बताएं कि क्या होता है पैनिक अटैक और इसके संकेत। यदि किसी व्यक्ति में इस तरह के लक्षण दिखे तो आप तुरंत समझ जाएं कि यह पैनिक अटैक हो सकता है। पैनिक अटैक आने की कोई खास वजह नहीं होती लेकिन यह एंग्जाइटी से जुड़ा हो सकता है।

डायबीटीज, ब्लड प्रेशर, दिल के मरीज और अस्थमा के मरीजों के लिए इस तरह का अटैक 'वॉर्निंग सिग्नल' हो सकता है।

पैनिक अटैक के लक्षण

अचानक पूरे शरीर में कंपकंपी होना, घुटन की हद तक सांस फूलने लगना, एक अनजाना डर, बेचैनी, तेज-तेज और छोटी सांस आना, लगभग हार्ट अटैक आने जैसा महसूस होना, तो यह पैनिक अटैक है।

पैनिक अटैक आने से पहले के संकेत

- अचानक किसी बात का डर हावी होना
- तनाव के साथ दिल की धड़कन का असामान्य गति से तेज होना
- पैरों का कांपना
- सीने में दर्द और बेचैनी होना
- वोमिटिंग और पेट खराब हो जाना
- हार्ट बीट तेज हो जाना और जोर-जोर से दिल धड़कने लगना
- छोटी-छोटी बातों पर तनाव होने लगना
- ठंड के मौसम में भी गर्मी लगने लगना
- अचानक पूरे शरीर में सिहरन होने लगना
- बैलेंस खो देना या बेहोशी आ जाना

अगर शरीर में इस तरह से असामान्य लक्षण दिखने लगें तो ऐसी स्थिति को पैनिक अटैक कहा जाता है। इन परिस्थिती को आपको भूलकर भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे संकेत दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए आई प्रोटीन वाली कॉफी

कॉफी लवर्स जब मसल्स बनाने की कोशिश करते हैं तो वे कैफीनयुक्त ड्रिंक को छोड़ देते हैं और डायट में प्रोटीन शेक को शामिल करते हैं। लेकिन प्रोफी ड्रिंक के जरिए आप कैफीन और प्रोटीन दोनों का एक साथ स्वाद ले सकते हैं।

हाई इंटेंस वर्कआउट सेशन के बाद एक कप हॉट ब्लैक कॉफी और एक गिलास प्रोटीन शेक के बीच चुनाव करना काफी टफ हो सकता है। ये अक्सर उनके बीच होता है जो फिटनेस फ्रीक होते हैं। बहुत से कॉफी लवर्स जो मसल्स बनाने के लिए प्रैक्टिस करते हैं और वे अपनी डेली डायट में प्रोटीन की मात्रा को बढ़ाने के लिए कैफीन को अवॉइड करने लगते हैं और प्रोटीन शेक को शामिल करते हैं। लेकिन अब और नहीं! कॉफी के लेटेस्ट ट्रेंड में आप दोनों तरह की ड्रिंक के स्वाद का एक साथ लुत्फ उठा सकते हैं। टिकटॉक और इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया वेबसाइट हमेशा से ही अनोखी डाइटिंग और खान-पान के टिप्स से भरी पड़ी हैं। पिछले साल डालगोना कॉफी खूब ट्रेंड में रही और उससे पहले आइस्ड लैट्टे और अब सबसे नया पसंदीदा ड्रिंक प्रोटीन कॉफी है जिसे प्रोफी भी कहा जाता है।

प्रोटीन कॉफी क्या है?

दरअसल, प्रोफी आपकी कॉफी के मिल्क को प्रोटीन पाउडर से रिप्लेस करती है। फिटनेस फ्रीक लोग अपने रूटीन में प्रोफी को शामिल कर सकते हैं जिसमें दो स्वाद का लुत्फ एक साथ उठा सकते हैं। कॉफी और प्रोटीन को अपनी सुबह की दिनचर्या में शामिल करने से आप काफी लाभ प्राप्त कर सकते हैं। फिटनेस फ्रीक लोगों के बीच प्रोफी खूब लोकप्रिय हो रही है। यकीनन प्रोटीन के साथ कॉफी का कॉम्बिनेशन आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है।

प्रोफी कैसे बनाते हैं?

प्रोफी बनाते समय किसी स्टैंडर्ड रेशिपी को फॉलो करने की जरूरत नहीं है। इसके लिए आप एस्प्रेसो को प्रोटीन शेक में मिला सकते हैं या अपनी आइस्ड कॉफी तैयार करते समय प्लांट प्रोटीन पाउडर को मिला सकते हैं। एक और बढ़िया विकल्प वेगन मिल्क को जोड़ना है। इसके लिए आपको कॉफी तैयार करने के लिए Cow Milk के स्थान पर प्लांट प्रोटीन को मिलाना है। वहीं, यदि आप प्रोटीन पाउडर ले रहे हैं, तो इसे एक कप गर्म कॉफी की तुलना में आइस्ड कॉफी के साथ मिलाना आसान है।

हेल्पफुट है ये कॉम्बिनेशन?

कोशिकाओं की वृद्धि, मरम्मत और विकास के लिए प्रोटीन का सेवन आवश्यक है। हमारे शरीर को प्रति किलो वजन के हिसाब से प्रतिदिन 08 ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है। जब आप व्यायाम कर रहे होते हैं और मांसपेशियों को बनाने की कोशिश कर रहे होते हैं तो आवश्यकता बढ़ जाती है। मांसपेशियों पर टूट-फूट को ठीक करने के लिए वर्कआउट सेशन के बाद प्रोटीन लेना विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके अलावा, प्रोटीन लेने से आप लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कर सकते हैं और अनहेल्दी चीजें खाने-पीने से बच सकते हैं। दूसरी ओर, वर्कआउट के दौरान कॉफी का सेवन आपको अधिक ताकत, शक्ति और स्टेमिना प्रदान कर सकता है।

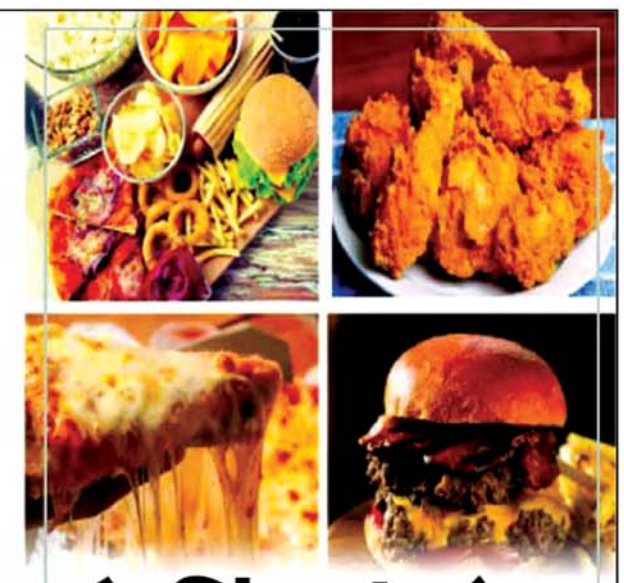

क्रेविंग कंट्रोल करने के टिप्स

बहुत से लोग क्रेविंग यानी खाने की लालसा को शांत करने के लिए अनहेल्दी फूड को खा लेते हैं जिससे कई शारीरिक समस्याएं होने लगती हैं।

जंक फूड की क्रेविंग न केवल आपकी डेली डायट के रूटीन को बेकार करती है बल्कि बॉडी में अधिक कैलोरी भी भर देती है और इस तरह ये वजन भी बढ़ाती है। भले ही आपका पेट कितना ही भरा क्यों न हो लेकिन कई दफा कैलोरी से भरपूर फूड को देखकर हमारी क्रेविंग जाग जाती है जो कि शरीर के लिए अनहेल्दी है। क्रेविंग काफी आम है और ये ज्यादातर तब होती है जब मूड स्विंग, स्ट्रेस, हार्मोनल इंबैलेंस, पीरियड, प्रेग्नेंसी या न्यूट्रिशन की समस्या होती है। लेकिन इस तरह के खान-पान से हम न सिर्फ वजन बढ़ाते हैं बल्कि कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स को भी न्यौता देते हैं। इस आर्टिकल में हम आपकेशरीर को हाइड्रेट रखने से लेकर घर पर सिर्फ हेल्दी ऑप्शन चुनने तक, अपनी भूख को कंट्रोल करने के लिए 8 टिप्स के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

पानी पियो

जब आपको प्यास महसूस होती है आप उसे फूड की क्रेविंग समझ लेते हैं और शरीर को अतिरिक्त कैलोरी से भर लेते हैं।

ऐसा इसलिए है क्योंकि यह शरीर में समान संवेदनाएं पैदा करता है। इस तरह के खाने की क्रेविंग को कम करने के लिए पूरे दिन हाइड्रेटेड रहें।

भोजन के बीच लंबे अंतराल से बचें

दिन भर में थोड़ा-थोड़ा भोजन करने से आपको लगातार खाने की लालसा पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। अनहेल्दी फूड खाने की बजाए बादाम, अखरोट या फल जैसे हेल्दी स्नैक्स खाएं।

ठीक से चबाएं

पोषण विशेषज्ञ के अनुसार, अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि चबाने की क्रिया भूख को कम करने में मदद कर सकती है। च्युइंग गम भी आपकी भूख और क्रेविंग को भी प्रभावी ढंग से कम कर सकती है।

हेल्दी फूड का स्टॉक रखें

यदि आप अपने शरीर को हर समय जंक फूड खाने से रोकना चाहते हैं, तो घर पर केवल स्वस्थ भोजन का ही स्टॉक रखें। चिप्स, नमकीन, कुकीज को स्टोर करने के बजाय बादाम और अखरोट जैसे नट्स से अपनी भूख को पूरा करें।

पर्याप्त नींद

जो लोग अधिक नींद लेते हैं, उन्हें दिन में कम भूख लगती है। वे शायद ही कभी मीठे और नमकीन खाद्य पदार्थों की इच्छा अनुभव करते हैं। इसके अलावा रात की अच्छी नींद लेने से तनाव को कम करने में भी मदद मिलती है।

भोजन को स्किप न करें

यदि आपको भोजन को स्किप करने की आदत है, तो आप जंक फूड या मीठे व्यंजनों के लिए क्रेविंग महसूस कर सकते हैं। जब कोई शरीर लंबे समय तक भूखा रहता है, तो वह अस्वास्थ्यकर भोजन के लिए तरसता है।

स्ट्रेस से फाइट करें

जो लोग अपनी भावनाओं को बैलेंस करने में सक्षम नहीं होते हैं, वे भी सिर्फ पेट भरने और क्रेविंग को शांत करने के लिए अनहेल्दी फूड का चुनाव करते हैं। इस तरह के अस्वास्थ्यकर भोजन की लालसा उच्च स्तर के तनाव से उत्पन्न होती है। ध्यान और योग करना उनके लिए बेहतर है।

प्रोटीन

हर भोजन में प्रोटीन शामिल करें, जो कि आपकी अस्वास्थ्यकर क्रेविंग को रोकने में मदद कर सकता है। चूंकि प्रोटीन कार्ब्स की तुलना में पचने में अधिक समय लेता है, इसलिए यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखेगा।

विस अध्यक्ष का वय वंदना कार्ड बनाकर सौंपा, राजनांदगांव जिला अव्वल

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने डॉ. रमन को सौंपा कार्ड

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाकर उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सभी वरिष्ठ नागरिकों से किसी भी स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन दीदीयों से संपर्क कर अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में जाकर अपना आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन कराने की अपील की। राजनांदगांव जिला आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन में 94.80 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत 70 वर्ष या 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के समस्त एपीएल एवं बीपीएल हितग्राहियों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाया जा रहा है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड अंतर्गत हितग्राहियों का पंजीकृत शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में 5 लाख रूपए तक का अतिरिक्त निःशुल्क उपचार प्रदाय किया जाता है। जिले में में 25088 एपीएल एवं बीपीएल परिवारों से कुल 23775 पात्र वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड हेतु पंजीयन कर लिया गया है। इसी प्रकार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत जिले के कुल 952546 पात्र राशन कार्डधारी हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया जाना हैं, जिसमें से 923709 पात्र राशन कार्डधारी हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड हेतु पंजीयन कर लिया गया है और राजनांदगांव जिला आयुष्मान कार्ड पंजीयन में भी 97.12 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर हैं। आयुष्मान वय वंदना कार्ड की लिए 70 वर्ष या 70 वर्ष से अधिक आयु के समस्त एपीएल एवं बीपीएल हितग्राही है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेज केवल आधार कार्ड एवं आधार लिंक मोबाईल नम्बर की आवश्यक होती है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड के माध्यम से 70 वर्ष या 70 वर्ष से अधिक आयु के समस्त एपीएल एवं बीपीएल परिवार के वरिष्ठ नागरिकों को समस्त पंजीकृत शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में 5 लाख रूपए तक का अतिरिक्त निःशुल्क उपचार प्रति वर्ष प्रदाय करने का प्रावधान है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड के लिए पंजीयन की प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क हैं। आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने हेतु राशन कार्ड अनिवार्य नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ के सभी तीर्थ स्थलों को विकसित कर रही है सरकार कवर्धा के भोरमदेव के विकास के लिए 146 करोड़ स्वीकृत

रामलला दर्शन योजना और तीर्थ दर्शन योजना से श्रद्धालुओं को मिल रहा है आध्यात्मिक लाभ

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शिव महापुराण कथा के समापन समारोह में हुए शामिल

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पवित्र श्रावण मास के दौरान भिलाई में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के समापन समारोह में सपत्नीक सम्मिलित हुए। श्रावण मास की इस सात दिवसीय शिव महापुराण कथा श्रृंखला का आयोजन 30 जुलाई से पांच अगस्त 2025 तक बोल बम समिति द्वारा किया गया। इसमें सिहोर मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा महाराज ने शिव महापुराण की अमृतमय कथा से हजारों श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। मुख्यमंत्री साय ने कथा वाचक पं. मिश्रा और व्यास पीठ से जुड़े संत जनों का छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से स्वागत एवं अभिवादन किया। उन्होंने आयोजन समिति को तथा समस्त शिव भक्तों व श्रद्धालुओं को पवित्र श्रावण मास की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि इस्पात नगरी भिलाई में विगत सात दिनों से शिव महापुराण कथा की अविरल धारा बह रही है। उन्होंने कहा समापन दिवस पर कथा में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान महादेव की कृपा छत्तीसगढ़ वासियों पर बरसती रहे। छत्तीसगढ़ में भगवान महादेव विभिन्न जगहों पर अलग-अलग नाम से विराजमान है। जहां पर लोग श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना करते आ रहे है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि जशपुर में मधेश्वर महादेव विराजमान है, जो विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग है। कवर्धा में बाबा भोरमदेव, रायपुर में महेश्वर महादेव, राजिम में कुलेश्वर महादेव, गरियाबंद में भूतेश्वर महादेव तथा खरौद में लक्ष्मणेश्वर महादेव के रूप में भगवान महादेव श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहे है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश शिवमय है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके गृह ग्राम बगिया में भी फ्लेश्वर महादेव विराजमान है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महादेव के साथ आदिशक्ति देवी माता की भी कृपा है। दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी, डोंगरगढ़ में मां बम्बलेश्वरी, रतनपुर में मां महामाया और चंद्रपुर में मां चंद्रहासिनी, सूरजपुर में सूरजगढ़ी माता विराजमान है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में 5 प्रमुख शक्तिपीठों के विकास के लिए शक्ति कॉरीडोर योजना प्रारम्भ की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्ग दर्शन में तीर्थ पर्यटन को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रभु राम ने अपने वनवास के समय 10 वर्ष छत्तीसगढ़ में बिताए है। इस दौरान उन्होंने भक्त माता शबरी के जूठे बेर भी खाए थे। छत्तीसगढ़ प्रभु राम का ननिहाल है। मुख्यमंत्री ने राम लला दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम में प्रभु राम के दर्शन का लाभ प्राप्त कर चुके है। उन्होंने कहा कि यह योजना श्रद्धालुओं को प्रभु राम के प्रति श्रद्धा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनी है। इस वर्ष भी विगत दिवस रायपुर से तीर्थयात्रियों के दल को रवाना किया गया। ट्रेन में 850 श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की गई।

एचओडी ने कहा...सॉरी फील कर रही जांच कमेटी की रिपोर्ट, मामला रफादफा

- दो दिन पहले ओटी में एचओडी डॉ. सुनीता मेश्राम ने स्टाफ नर्स पर उठाया था हाथ
- शिकायत के बाद बनी जांच कमेटी ने रिपोर्ट सौंपी, समझौता हुआ

राजनांदगांव। मेडिकल कॉलेज हास्पिटल में एचओडी ने ऑपरेशन के दौरान स्टाफनर्स को तमाचा जड़ दिया था। इस मामले की शिकायत हुई, जांच कमेटी बनी। अब दो दिन बाद जो जांच रिपोर्ट आई, उसके बाद पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया गया। क्योंकि सर्जरी डिपार्टमेंट की एचओडी डॉ. सुनीता मेश्राम ने जांच कमेटी को लिखित में दिया है कि उनके व्यवहार से यदि बुरा लगा हो तो उसके लिए वे खुद सॉरी फील करती है। यह भी बताया गया कि इसके बाद शिकायतकर्ता और उनके बीच बातचीत होने और समझौते ही बात कही गई है। ज्ञात हो कि दो दिन पहले ओटी में ऑपरेशन के दौरान एचओडी डॉ. सुनीता मेश्राम और स्टाफ नर्स दामिनी देशमुख के बीच कहासुनी हुई और इस दौरान दामिनी पर डॉ. मेश्राम ने हाथ उठा दिया। इस मामले को लेकर हास्पिटल में बवाल मच गया। पहले तो हास्पिटल प्रबंधन ने मामले को वहीं शांत करने की कोशिश की। लेकिन डॉ. मेश्राम के व्यवहार को लेकर पहले भी शिकायतें आ चुकी है। इसलिए पूरे कर्मचारी एकजुट हो गए और उन्होंने लेटर लिखकर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद प्रबंधन की ओर से पांच सदस्यीय टीम बनाई गई। जिसके बाद मामला रफादफा हो गया।

यह भी जानकारी दी गई

हास्पिटल प्रबंधन की ओर से यह भी बताया गया कि स्टाफनर्स दामिनी देशमुख मेडिसीन डिपार्टमेंट से है, लेकिन वह सर्जरी विभाग में भी काम कर रही है। वे आगे भी इस काम सीखने के लिए इच्छुक है। इसलिए पूरे स्टाफ को एकसाथ ही काम करना है, इसके चलते ही जांच कमेटी ने यह रिपोर्ट बनाकर दी गई है।

एचओडी ने लिखकर दे दिया है

ओटी में की घटना को लेकर जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। सर्जरी एचओडी ने अपने व्यवहार को लेकर सॉरी की बात लिखकर दी है। वहीं दोनों पक्षों की बात भी करा दी गई है। सबकों एकसाथ ही काम करना है, बेहतर इलाज ही हमारा लक्ष्य है।
-डॉ. अतुल देशकर, अधीक्षक एमसीएच

सरकारी आंकड़ों को चिढ़ाता बाजार, यूरिया-डीएपी का काला कारोबार, किसानों में आक्रोश, कृषि विभाग उदासीन

- पर्याप्त स्टॉक कहने वाला कृषि विभाग, कार्रवाई से कर रहा परहेज
- नंदई के अमन ट्रेडर्स में हंगामा, खुली विभागीय पोल

राजनांदगांव। किसानी का समय चल रहा है और किसानों को यूरिया और डीएपी को लेकर कालाबाजारी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी बात इस काले कारोबार को रोकने में कृषि विभाग भी उदासीन ही नजर आ रहा है। एक दिन ही पूर्व ही किसानों ने नंदई के अमन ट्रेडर्स पर हंगामा मचाया। जहां कृषि विभाग के अनुसार यूरिया का स्टॉक ही नहीं था। लेकिन जब किसान वहां पहुंचे और संचालक के गोदाम में खुलवाया तो मौके पर 200 पैकेट यूरिया मिला। किसानों ने यह भी कहा कि 266 रुपए में मिलने वाले यूरिया को 1 हजार रुपए में बेचा जा रहा है। दूसरी तरफ किसानों ने कहा कि जिले में डीएपी को लेकर भी किल्लत है, भले ही प्रशासनिक उपलब्धता बता रहा हो। लेकिन बाजार में 1300 रुपए की डीएपी को दो हजार रुपए में खरीदना पड़ रहा है। किसान संघ के अध्यक्ष सूदेश टीकम ने कहा कि अभी किसानों का समय है, इन चीजों की किसानों को काफी जरूरत है। इसके बाद भी कालाबाजारी को रोकने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। इससे किसान ठगे जा रहे हैं। मिली जानकार के अनुसार ज्ञात हो कि कृषि कार्य शुरू होते ही जिले के हर हिस्से में बिचौलिए भी सक्रिय हो चुके हैं, जो किसानों के पहुंचकर यूरिया-डीएपी दिलाने की बात कर रहे हैं। पहले किसान इनके झांसे में नहीं आए। लेकिन जब सोसाइटियों में कमी दिखी, बाजार के दुकानों में मनमाना दाम लिया जा रहा तब किसानों को समस्या हो रही है। क्योंकि सभी को पता है कि अभी किसानों को यूरिया-डीएपी की आवश्यकता है, इसलिए इसका फायदा उठाया जा रहा है।

कृषि विभाग उदासीन, खानापूर्ति में लगा

अभी तो नंदई के अमन ट्रेडर्स का नाम सामने आया, जिस पर किसानों के हंगामे के बाद कार्रवाई की गई। इसी तह छुरिया ब्लॉक में भी कई दिनों तक शिकायतें आई, लेकिन कृषि विभाग की उदासीनता बनी रही, वह केवल जांच करेंगे, जैसी औपचारिक बातें करते दिखा। जब बात प्रदर्शन तक पहुंची, तब कृषि विभाग ने वहां कार्रवाई की।

बाजार में मनमानी, सरकारी आंकड़ों को भी जानिए

जिले में खरीफ2025 अंतर्गत 37720.3 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण किया गया है, जो कुल भंडारण का 73.21 प्रतिशत है। जिसमें यूरिया 12398.7 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 7078.1 मीट्रिक टन, डीएपी 4809.3 मीट्रिक टन, एनपीके 9727.1 पोटाश 3707.2 मीट्रिक टन है। अब तक किसानों को 33364.4 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जा चुका है। जिसमें यूरिया 11168.8 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 5827.5 मीट्रिक टन, डीएपी 4191.4 मीट्रिक टन, एनपीके 9219.1 पोटाश 2957.7 मीट्रिक टन है। किसानों को 4355.9 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जाना शेष है। जिसमें यूरिया 1229.9 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 1250.7 मीट्रिक टन, डीएपी 617.9 मीट्रिक टन, एनपीके 508 मीट्रिक टन, पोटाश 749.4 मीट्रिक टन है।

जिला सर्वेलेंस अधिकारी तथा जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट ने शांतिपारा और बैकुंठ धाम का किया निरीक्षण

दुर्ग। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग के निर्देशानुसार डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, आई.डी.एस.पी. तथा रितिका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट दुर्ग द्वारा शांतिपारा, बैकुंठ धाम का निरीक्षण किया गया। 03 अगस्त 2025 को ए.एन.एम. एवं मितानिन को पीलिया से मृत्यु की जानकारी प्राप्त होने पर आज 04 अगस्त 2025 को ए.एन.एम, मितानिन एवं पर्यवेक्षक के द्वारा सर्वे का कार्य किया गया। सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी से मिली जानकारी अनुसार सर्वे के दौरान मृतक के परिजनों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 23 जुलाई 2025 को मरीज को पेट में दर्द होने पर शारदा पारा में स्थानीय चिकित्सक से इलाज करवाया गया। डॉक्टर के द्वारा पेट दर्द एवं गैस की दवाई दी गयी। मरीज को पुनः पेट दर्द होने पर पीलिया की जाँच हेतु पैथोलॉजी लैब भेजा गया। मरीज शराब के सेवन का आदी था। मरीज का पेट फूलने पर 29 जुलाई 2025 को सीएम मेडिकल कॉलेज कचांदुर जांच हेतु ले जाया गया। जहां से मरीज को मेकाहारा अस्पताल रायपुर रिफर किया गया। 29 जुलाई 2025 को शाम 8 बजे मेकाहारा अस्पताल से मरीज के घरवालों के द्वारा बालाजी हॉस्पिटल रायपुर मोवा ले जाया गया। लीवर में सुजन होना एवं शरीर के अन्दरूनी अंगों में सुजन होना बताया गया। चिकित्सक के द्वारा जानकारी दी गई कि मरीज के पेट का तत्काल ऑपरेशन करना पड़ेगा। 03 अगस्त 2025 को चिकित्सक के द्वारा मरीज को वेंटिलेटर में रखने की जानकारी परिवार वालों को दी गई। प्रातः 9 बजे मरीज की मृत्यु श्री बालाजी हॉस्पिटल रायपुर में हुई।

होटल रेलिस में पार्टी, पांच युवकों ने कमरे में बंधक बनाकर एक को पीटा

पुराने लेन-देन को लेकर युवक की पिटाई, 5 में से 3 आरोपी नाबालिग

राजनांदगांव। शहर में लगातार अपराधों की संख्या बढ़ रही है, जिसमें खासकर नाबालिगों की संलिप्तता सामने आ रही है। ऐसा ही एक मामला शहर के होटल रेलिस में सामने आया, जहां कमरा नंबर 304 में मंगलवार को कुछ युवक जन्मदिन की पार्टी मना रहे थे। इस दौरान पांच लड़कों ने मिलकर पुराने लेनदेन को लेकर एक युवक की पिटाई कर दी। जैसे-तैसे खुद को बचाकर पीड़ित होटल रेलिस से निकला। पुलिस को वारदात की सूचना मिली, जिसके बाद तीन नाबालिग सहित पांच युवकों पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार हुपेश कुमार साहू रामाधार साहू ग्राम गिधवा राजनांदगांव का रहने वाला है। वह अपने दोस्त गौरी नगर निवासी नमन सोनी की जन्मदिन पार्टी में दोपहर दो बजे शहर के होटल रेलिस आया था। वहां नमन के अलावा गौरीनगर में रहने वाला देव ठाकुर और तीन नाबालिग भी मौजूद थे। कुछ देर ही हुआ था कि रुपयों के पुराने लेनदेन को लेकर सभी उसके साथ मारपीट शुरू कर दिए। इसमें उसके पैर पर भी चोटें आई। इसके बाद मौका देखकर हुपेश के अपने साथ को कॉल कर बुलाया।
दोस्त होटल रेलिस पहुंचा और बीच-बचाव करने के बाद हुपेश को अपने साथ ले गया। इसके बाद हुपेश के सिटी कोतवाली में मामले की जानकारी दी और इस पर एफआईआर दर्ज कराई। पांच आरोपियों में तीन नाबालिग बताए गए हैं। टीआई रामेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पतासाजी की गई, मामले में सभी को हिरासत में लिया गया है। रुपयों को लेकर बंधक बनाकर मारपीट करने की बात सामने आई है।

स्वयंभू शिवजी मंदिर कौहि में भगवान शिव का जलाभिषेक करने हजारों की संख्या में पहुंचे शिवभक्त

पाटन। श्रावण मास के पावन अवसर पर चौथे सोमवार को पाटन क्षेत्र के प्रसिद्ध प्राचीन स्वयंभू शिव मंदिर, कौहि में बोलबम कांवर यात्रा समिति के संयोजक एवं भाजपा निवर्तमान जिलाध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा जी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ से क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस धार्मिक अवसर पर क्षेत्र में शिवभक्ति का विशेष वातावरण देखने को मिला। जितेंद्र वर्मा ने कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना से आध्यात्मिक शांति, ऊर्जा एवं सकारात्मकता प्राप्त होती है।आगे उन्होंने कहा कि बोलबम कांवर यात्रा समिति द्वारा हर वर्ष पाटन से टोलाघाट तक भक्ति भाव से कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिससे जनमानस में आस्था और एकता का संचार होता है। कौही में भी जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का आयोजन होता है जिसमें मै प्रतिवर्ष शामिल होकर आत्मिक आनंद की प्राप्ति करता हूं और भगवान भोलेनाथ से समस्त जनमानस की मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप साहू, नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश (निक्की) भाले, नगर पंचायत पाटन सभापति केवल देवांगन सहित कार्यकर्ता एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

जिला, शहर और ग्रामीण कांग्रेस द्वारा प्रेसवार्ता लेकर दी कांग्रेस नेताओं ने जानकारी, जताया विरोध

भाजपा सरकार बिजली बिल हॉफयोजना बंद कर बढ़ा रही आर्थिक बोझ : कांग्रेस

राजनांदगांव। प्रदेश में बिजली बिल हाफ योजना को भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है। इसे लेकर सरकार को कांग्रेस घेरने में लगी है। कांग्रेस ने प्रेसवार्ता ली और भाजपा सरकार को उसकी नीतियों को लेकर जमकर कोसा। कांग्रेसियों ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा बिजली बिल हॉफ योजना बंद कर एक तरह से गरीब जनता पर अत्याचार के समान है। डेढ़ साल में ही भाजपा की सरकार द्वारा चार बार बिजली बिल के दामों में वृद्धि कर चुकी है अब फिर प्रदेश की जनता पर आर्थिक भार डालते हुए 400 यूनिट को घटाकर 100 यूनिट से उपर खपत करने वालों को ही हाफ बिजली बिल योजना का लाभ मिल सकेगा बाकि जनता को पूरा बिल भुगतान करने आर्थिक व मानसिक बोझ डालने जा रही है। शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा हाफ बिजली बिल योजना के तहत 400 यूनिट की सीमा को समाप्त कर आम जनता के साथ खिलवाड़ कर रही है। बिजली की दरों में हुई बेतहाशा वृद्धि और हाफ बिजली बिल योजना को समाप्त किए जाने से आमजनता को बिजली बिल के नाम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा।

लगातार बिजली के दामों पर कर रहे वृद्धि : कुलबीर

शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा लगातार बिजली बिल के दामों में वृद्धि कर रही है वही अब 400 यूनिट बिजली बिल योजना को संसोधित कर 100 यूनिट खपत करने वालों को ही योजना से जोड़ा जा रहा है जो न्यायसंगत उचित नहीं है। एक तरह से किया जाए तो साय सरकार द्वारा बिजली बिल आधा योजना को बंद किये जाना जनता के उपर अत्याचार है। भाजपा सरकार ने मात्र 100 यूनिट के भीतर की खपत वाले को ही बिजली बिल हॉफकरने का निर्णय लिया है। इससे प्रदेश के अधिसंख्यक उपभोक्ता बिजली बिल हॉफ योजना से वंचित हो गये है। वर्तमान निर्देश के अनुसार 100 यूनिट से अधिक खपत होने पर बिजली बिल पूरा लगेगा तथा 100 यूनिट का छूट भी नहीं मिलेगा।

बिजली के दाम चौथी बार बढ़े : भागवत

जिला ग्रामीण अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि पिछले माह ही सरकार ने बिजली के दाम चौथी बार बढ़ाया था। घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है, गैर घरेलू बिजली की दर 25 पैसे प्रति यूनिट महंगी कर दी गई है। सर्वाधिक बढ़ोतरी कृषि पंप के बिजली के दाम में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करके की गई थी। डेढ़ साल के भीतर साय सरकार ने घरेलू बिजली की दरों में अब तक कुल 80 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोतरी की है। भाजपा सरकार बनने के बाद आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रहा है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रहे हैं। कांग्रेस की सरकार के दौरान 24 घंटा बिजली की आपूर्ति होती थी। गर्मी के दिनों में मांग बढ़ने पर दूसरे राज्यों से भी बिजली की खरीदी किया जाता था और आम जनता को 24 घंटा बिजली की आपूर्ति की जाती थी।

आधार ऑपरेटर्स का प्रशिक्षण संपन्न

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार आज पीडब्ल्यूडी के सभागार में दुर्ग जिले के 58 आधार ऑपटरों को आधार नामांकन एवं अपडेशन हेतु आधार सॉफ्टवेयर के नए वर्जन यूनिवर्सल क्लाइंट के संबंध में जानकारी दी गई। उक्त जानकारी भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद के असिस्टेंट मैनेजर सौरभ रामटेके द्वारा दी गई। साथ ही आधार संचालकों के द्वारा पूछे गए आधार शिकायत की समस्याओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण में दुर्ग ईडीएम श्रुति अग्रवाल एवं दुर्ग के आधार ऑपरेटर्स उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला, माह सितंबर के प्रथम सप्ताह रायपुर में

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन, कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के अंतर्गत संचालक रोजगार एवं प्रशिक्षण के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन माह सितम्बर 2025 के प्रथम सप्ताह में रायपुर में होना प्रस्तावित है, जिसके लिए निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न सेक्टर जैसे-आई.टी, कम्प्यूटर, हॉस्पिटल, हॉस्पिटालिटी, फार्मेसी, सेल्स एवं मार्केटिंग, बैंकिंग, फाईनेंस एवं एकाउंटिंग, इंश्योरेंस, सर्विस सेक्टर आदि के लगभग 10 हजार रिक्त पदों के लिए रोजगार मेला में भर्ती की कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com